ॐ श्री सदगुरू देवाय नमः ॐ ॐ ओ३म् ॐ ॐ जय माता दी ॐ
ॐ सीताराम बाबा जी ॐ ॐ जय बाबा की ॐ ॐ श्याम बाबा ॐ ॐ
ॐ ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा !! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा !! ॐ

ॐ उल्लङ्घ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्नि जनकात्मजायाः ॐ आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम् ॐ
ॐ मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् ॐ वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये ॐ

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 23 ♦अंक 108 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦सोमवार ♦23 जनवरी 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

पीएम ने परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखे 21 द्वीपों के नाम

नई दिल्ली(उद ब्यूरो)।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पराक्रम दिवस पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 21 परमवीर चक्र पुरस्कार विजेताओं के नाम पर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के 21 सबसे बड़े अनाम द्वीपों का नामकरण किया। पीएम ने इसी के साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप पर बनने वाले नेताजी को समर्पित राष्ट्रीय स्मारक के मॉडल का भी अनावरण किया। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए और नेताजी की स्मृति का सम्मान करने के लिए, रॉस द्वीप समूह का नाम

बदलकर 2018 में द्वीप की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप के रूप में रखा गया था। नील द्वीप और हैवलॉक द्वीप भी थे नाम बदलकर शहीद द्वीप और स्वराज द्वीप कर दिया गया है। द्वीपों का नाम 21 परमवीर चक्र पुरस्कार विजेताओं के नाम पर रखा गया है, जिनमें मेजर सोमनाथ शर्मा, सूबेदार और मानद कप्तान (तत्कालीन लांस नायक) करम सिंह, द्वितीय लेफ्टिनेंट रामा राघोबा राणे, नायक जदुनाथ सिंह, कंपनी हवलदार मेजर पीरू सिंह कैप्टन जीएस सलारिया, लेफ्टिनेंट कर्नल (तत्कालीन मेजर) धन सिंह थापा, सूबेदार जोगिंदर सिंह, मेजर शैतान (शेष पृष्ठ सात पर)

कमरे में युवक युवती के शव मिलने से सनसनी

जहर का इंजेक्शन लगाकर की आत्म हत्या

देहरादून(उद संवाददाता)। धर्मपुर में एक मकान में युवक और युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गयी। अंदाजा लगाया जा रहा है कि दोनों जहर का इंजेक्शन लगाकर आत्म हत्या की हैं। मामला प्रेम प्रसंग का माना जा रहा हैं। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना धर्मपुर के कब्रिस्तान वाली गली की है। मैक्स अस्पताल में नर्सिंग असिस्टेंट के पद पर कार्यरत राहुल पुत्र शिवप्रसाद अपने परिवार के साथ रहता था। सोमवार सुबह जब काफी देर तक राहुल के कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों को चिंता हुयी। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने पर भी कोई उत्तर नहीं आया तो घर वालों ने दरवाजा तोड़ा और अंदर देखा तो राहुल के साथ ही एक युवती का शव देकर परिवारवालों के होश उड़ गये। चीख पुकार सुनकर आस पास के लोग भी पहुंच गये। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। राहुल के साथ मिले युवती के शव की शिनाख्त शिल्पी पुत्री मनोज निवासी भगत सिंह कालोनी के रूप में हुयी। पुलिस को मौके पर एक सीरिंज भी मिली। जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि दोनों ने जहर का इंजेक्शन लगाकर आत्म हत्या की है। आत्म हत्या के कारणों का पता नहीं लग पाया है। सीओ नेहरू कॉलोनी अनिल कुमार जोशी का कहना है कि संभवत: दोनों ने एक दूसरे को जहर का इंजेक्शन दिया है। कमरे में सुसाईड नोट नहीं मिला है। राहुल मैक्स अस्पताल में नर्सिंग (शेष पृष्ठ सात पर)

पेपर लीक मामले में एसआईटी को मिले कई महत्वपूर्ण सुराग

देहरादून (उद ब्यूरो)।पटवारी भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक के मुख्य आरोपी शिक्षक राजपाल और उसके भतीजे संजीव कुमार को पुलिस कस्टडी रिमांड के तीसरे दिन भी एसआईटी ने पूछताछ की। दोनों आरोपियों को एसआईटी सहारनपुर के बिहारीगढ़ स्थित रिसॉर्ट में लेकर पहुंची। घटनाक्रम को दोहराते हुए आरोपियों की निशानदेही पर कई महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं। जबकि आरोपी संजीव चतुर्वेदी को भी सोमवार को रिमांड पर लेने की संभावना है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह की अगुवाई में एसआईटी पेपर लीक प्रकरण में कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए जांच को आगे बढ़ा रही है। एसआईटी ने चार दिन के लिए आरोपी शिक्षक राजपाल और उसके रिश्ते के भतीजे संजीव कुमार को पुलिस कस्टडी रिमांड लिया हुआ था। तीसरे दिन एसआईटी ने आरोपियों से पूछताछ के साथ ही घटनाक्रम को दोहराते हुए कई साक्ष्य एकत्र किए हैं। लक्सर में रामकुमार के घर और (शेष पृष्ठ सात पर)

रिमांड पर लिये गये आरोपियों को लेकर रिसॉर्ट पहुंची एसआईटी

सरकारी नौकरी के नाम पर 36.50 लाख की ठगी का आरोपी दबोचा

रूद्रपुर/खटीमा(उद संवाददाता)। सरकारी व संविदा में नौकरी दिलाने के नाम दस लोगों से 36.50 लाख की ठगी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। खुलासा करते हुए एसएसपी मंजूनाथ टिसी ने बताया कि खेतलसंडा मुस्ताजर निवासी सुरेश चंद ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा था कि उसकी मुलाकात गांव के ही मनोज रावत उर्फ बाबी रावत के माध्यम से अजय साहनी से हुई थी। कुछ दिनों तक अजय साहनी से बराबर मुलाकात होने पर उसने कहा कि अगर घर के रिश्तेदार हो तो उन लोगों को वह सरकारी व संविदा में नौकरी लगवा देगा। तब उसने अपने निकटतम रिश्तेदार दस लोग इकट्ठा किए जिसमें

अजय साहनी ने दो बच्चों को सरकारी नौकरी व आठ बच्चों को संविदा में नौकरी लगाने की बात की। उसके बाद दस लोगों से 36 लाख 50 हजार रुपये इकट्ठे करके मनोज रावत उर्फ बाबी रावत के सामने अजय साहनी उर्फ इन्द्रजीत साहनी को काशीपुर के एक होटल में दिए। साहनी ने दस लोगों के विभिन्न विभागों के नियुक्ति पत्र दिए, सभी लोगों से कहा कि जिस-जिस विभाग के नियुक्ति पत्र है उस विभाग में जाओगे जब वह फोन करेंगे। उसके बाद अजय साहनी ने कहा तकनीकी खराबी होने के कारण नियुक्ति नहीं मिली। बाद में अजय साहनी नियुक्तिपत्र देने के लिए टालमटोल करता रहा। इसके बाद वह घर से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी अजय साहनी के खिलाफ 420, 467, 468, 471 आईपीसी के तहत केस दर्ज किया था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए खटीमा पुलिस क्षेत्राधिकारी वीर सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया था। टीम ने आरोपी अजय साहनी उर्फ इन्द्रजीत साहनी (शेष पृष्ठ सात पर)

विदेश में नौकरी लगाने के नाम पर पांच लाख ठगे

पुलिस से नहीं मिला न्याय, कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा

काशीपुर(उद संवाददाता)। विदेश में नौकरी लगवाने के नाम पर पांच लाख रुपए हड़प किए जाने का एक हैरतअंगेज मामला प्रकाश में है। पुलिस ने कोर्ट के निर्देश पर आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में नामजद प्राथमिकी दर्ज करते हुए मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। घटना के बारे में न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर रजपुरा रानी, चापट, काशीपुर निवासी अयूब अली पुत्र मोहम्मद हनीफ ने बताया कि वर्ष 2021 में उसकी जान पहचान रियान पब्लिक स्कूल, खालिक कॉलोनी बंदा रोड काशीपुर निवासी अकबर पुत्र भूरा से हुई। इस दौरान अकबर ने उसे बताया कि वह लोगों को विदेश में नौकरी लगवाने का काम करता है। यह भी बताया कि उसका पुत्र अनवर विदेश में नौकरी करता है। इस दौरान अकबर ने वीडियो कॉलिंग के माध्यम से अपने पुत्र अनवर से उसकी बात कराई। बातचीत में अकबर ने बताया कि विदेश में नौकरी लगवाने के नाम पर पांच लाख रुपए का खर्च आता है। पिता पुत्र की बात पर विश्वास कर वर्ष 2022 में अयूब अली ने दो लाख रुपयों की रकम उसके बैंक खाते में डाल दी तथा तीन लाख शेष उसे कैश दे दिए। शिकायतकर्ता का आरोप है कि रकम देते समय पिता पुत्र ने उसके पासपोर्ट को दिल्ली स्थित राइस फ्यूचर एब्रॉड स्टडीज नामक कार्यालय में भेजने को कहा। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब विदेश में नौकरी नहीं लगी तो शिकायतकर्ता ने इसकी शिकायत पिता पुत्र से की। वह टालमटोल करते रहे। लेकिन जब शिकायतकर्ता नहीं दोबारा अपना पासपोर्ट मांगते हुए नौकरी के बारे में पूछा तो पिता-पुत्र ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मुंह खोलने के बाद में जान से मारने की धमकी दे डाली। शिकायतकर्ता ने कोर्ट को बताया कि घटना की तत्काल बाद उसने मामले की शिकायत स्थानीय पुलिस को करने के साथ ही लिखित रूप से तहरीर जिले के एसएसपी को दी लेकिन पुलिस के उच्चाधिकारियों ने प्रकरण को गंभीरता से नहीं लिया। फिलहाल कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए। इसी पर हरकत में आई पुलिस ने धोखाधड़ी की धाराओं में आरोपी के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करते हुए मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

संदिग्ध हालातों में फंदे पर लटकी मिली नव विवाहिता

डेढ़ साल पहले हुआ था प्रेम विवाह

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। संदिग्ध हालातों में नव विवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतका ने डेढ़ वर्ष पहले प्रेम विवाह किया था। मूल रूप से बाजपुर क्षेत्र का निवासी किशन अपनी 22 वर्षीय पत्नी प्रीति के साथ जगतपुरा क्षेत्र में किराये के मकान में रह रहा था। डेढ़ साल पहले ही दोनों ने लव मैरिज की थी। किशन अशोका लीलेंड कम्पनी में काम करता था। बीती शाम वह किसी पार्टी में गया था। पत्नी प्रीति घर पर अकेली थी। रात को जब वह घर लौटा तो प्रीति फंदे पर लटकी मिली। यह देखकर उसके होश उड़ गये। मौके पर मकान मालिक समेत अन्य लोग भी पहुंच गये। मकान मालिक ने सूचना पुलिस और प्रीति के घर वालों को दी जिस पर परिजन भी वहां पहुंच गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस के मुताबिक मौके पर सुसाईड नोट नहीं मिला है। पुलिस आत्म हत्या के कारणों की छानबीन में जुटी है।

सड़क हादसे में महिला सिक्योरिटी गार्ड की मौत

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। स्कूटी पर रूद्रपुर से सितारगंज लौट रही महिला रास्ते में हादसे का शिकार हो गयी। उसे 108 एंबुलेंस पर किच्छा अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका रूद्रपुर में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करती थी। जानकारी के मुताबिक सिसौना बरवाबाग सिडकुल सितारगंज निवासी 30 वर्षीय नेहा माही पुत्री किशोर रूद्रपुर में गार्ड के पद पर नौकरी करती थी। बीते दिवस ड्यूटी से वह अपनी स्कूटी संख्या यूके 06एआर 2092 पर वापस लौट रही थी। बताया गया है कि ग्राम बरी में स्कूटी अनियंत्रित होकर पैराफिट से टकरा गयी। महिला को घायल देकर किसी ने 112 पर सूचना दी। बाद में 108 की मदद से उसे किच्छा ले स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया गया है कि महिला तलाक शुदा थी। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सुभाष जयंती पर महापुरुषों के वेश में निकाली शोभा यात्रा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 126 वीं जयंती पर निकाली गई। जिसमे आकर्षक परिधान में सजे नन्हें मुन्ने बच्चों की परेड आकर्षण

आज रविंद्रनगर स्थित रविन्द्र जूनियर हाईस्कूल के छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न महापुरुषों के वेष में भव्य शोभा यात्रा का केंद्र बनी रही। वहीं छात्र छात्राओं द्वारा प्रस्तुत भांगड़ा, पीटी शो, देश भक्ति गीत व झांकियों ने भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया। शोभा यात्रा विद्यालय से प्रारंभ होकर रविंद्र नगर तथा कल्याणी व्यू के अनेक मार्गों से होकर गुजरती हुई वापस विद्यालय में समाप्त हुई। शोभा यात्रा में (शेष पृष्ठ सात पर)

स्मैक समेत नशा कारोबारी गिरफ्तार

काशीपुर(उद संवाददाता)। बांसफोड़ान पुलिस चौकी क्षेत्र में कब्रिस्तान के समीप बनी हाथ मुंह धोने वाली टंकी के पास से पुलिस ने नशे के सौदागर को गिरफ्तार कर तलाशी में उसके कब्जे से 08:15 ग्राम स्मैक बरामद किया है। कार्यवाही के बारे में पता चला है कि कोतवाली पुलिस क्षेत्र में गश्त पर थी इसी दौरान उसने बांसफोड़ान पुलिस चौकी क्षेत्र से कब्रिस्तान के समीप स्थित हाथ पैर धोने वाली टंकी के पास से संदिग्ध हालत में चहलकदमी करते हुए सिदीकी मैरिज हाल के समीप कर्बला बस्ती मोहल्ला (शेष पृष्ठ7 पर)

आखिर क्या होगा उजड़ते जोशीमठ का भविष्य?

2021 में रैंठी ग्लेशियर टूटने से जल प्रलय ने तबाही मचाई थी, विशेषज्ञों की सर्वे रिपोर्ट पर टिकी निगाहें

देहरादून(उद ब्यूरो)। चमोली जिले में सात फरवरी 2021 में तपोवन धौलीगंगा में ग्लेशियर टूटने से भारी मात्रा में मलवा बहकर आया था। ऋषि गंगा में रैंठी ग्लेशियर टूटने से जल प्रलय ने तबाही मचाई थी। 13 मेगावाट की ऋषिगंगा जल विद्युत परियोजना का नामोनिशान भी मिट गया था। जबकि सरकार ने आपदा में 206 लोगों को मृत्यु प्रमाण पत्र दिए के साथ आश्रितों को मुआवजा भी दिया गया। आपदा के बाद 88 शव भी बरामद हुए हैं, लेकिन अभी भी कई लोग लापता हैं। जिस रैणी गांव में बाढ़ ने तबाही मचाई थी वह चिपको आंदोलन की प्रणेता गौरा देवी का गांव था। भूकंप के लिहाज से राज्य संवेदनशील है और जोन पांच में आता है। इसमें गढ़वाल का उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग जिला और कुमाऊं का कपकोट, धारचूला, मुनस्यारी क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील है। इन क्षेत्रों में भी उत्तरकाशी सबसे ज्यादा संवेदनशील क्षेत्र है। चमोली में 29 मार्च 1999 में भूकंप से भारी तबाही मची थी। तब 103 लोग मारे गए थे। उस दौरान यहां के भवनों को भारी नुकसान हुआ था। आदि गुरु शंकराचार्य की तपोस्थली ज्योर्तिमठ की स्थापना,श्री बदरीनाथ धाम के साथ ही भविष्य बदरी का प्रमुख पड़ाव,चीन सीमा से सटा होने के कारण सेना व आइटीबीपी का बेस कैंप, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी, प्रथम गांव माणा का अहम पड़ाव व अंतरराष्ट्रीय हिम क्रीड़ा केंद्र औली का प्रवेश द्वार पर्यटन विकास के लिये बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है। अब इन संस्थानों की सामरिक सुरक्षा और क्षेत्र में पुनर्निर्माण यहां की भौगालिक परिस्थितियो पर निर्भर करेगा। जोशीमठ का भविष्य अब आधा दर्जन एजेंसियों की जांच रिपोर्ट पर टिका है। जोशीमठ में भूधंसाव की दृष्टि से पहली बार जियो टेक्निकल, जियो फिजिकल व हाईड्रोलाजिकल समेत अन्य जांच कार्यों में ये एजेंसियां जुटी हुई हैं। इनकी जांच रिपोर्ट के आधार पर ही निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा और फिर इसके आधार पर जोशीमठ को बचाने अथवा पुनर्निर्माण के संबंध में कदम बढ़ाए जाएंगे। जोशीमठ की तरह ही उत्तराखंड के छह और जिले भूधंसाव और दरारों की जद में हैं। पिथौरागढ़, नैनीताल, चंपावत, टिहरी, रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी भी इसी तरह के खतरे का सामना कर रहे हैं। लिहाजा पहाड़ के विकास के साथ ही वहां की भौगालिक परिस्थियों का व्यापक अध्यन और सर्वेक्षण के साथ ही विकास की नई नीति तैयार करना अत्यंत आवश्यक है जो इन क्षेत्रों के भविष्य के लिये भी अहम साबित होगा। गौरतलब है कि जोशीमठ क्षेत्र में वर्ष 1970 व इससे पहले कई जलकुंडों के अस्तित्व में होने की बात कही जा रही है। सरकार भी जलकुंडों के अस्तित्व को पुष्ट करने के प्रयास कर रही है। यह भी कहा जा रहा है कि जलकुंडों का जो पानी समय के साथ भूगर्भ में समा गया, उससे भी भूधंसाव का संबंध हो सकता है। हालांकि, भूविज्ञानी इस बात से सहमत नहीं दिखते। एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विश्व विद्यालय के भूविज्ञान विभाग के प्रो. एमपीएस बिष्ट के मुताबिक, जोशीमठ में करीब 50 से 60 साल पहले तक जलकुंडों का अस्तित्व था। आज यह जलकुंड नहीं हैं। इनके अस्तित्व की समाप्ति को लेकर पर्यावरणीय व भौगोलिक कारण हो सकते हैं। क्योंकि समय के साथ इनमें नियमित रीचार्ज नहीं हो पाया। साथ ही यहां के ढाल विष्णुगाड की तरफ सरक रहे हैं। इस तरह जलकुंडों का पानी समय के साथ समाप्त हो गया होगा। आज जोशीमठ प्रकृति की मार से कराह रहा है। लेकिन उसकी पीड़ा हरने की जरूरत किसी ने नहीं समझी। बर्फबारी के बाद यहां के हालात और ज्यादा खतरनाक हो गए हैं। कुछ क्षेत्रों में दरारें चौड़ी हो रही हैं। बदरीनाथ और मलारी हाईवे भी भूधंसाव की जद में आया है। इस पर भी तीन स्थानों पर दरारें चौड़ी हुई हैं। बदरीनाथ हाईवे पर डाक बंगले के पास नई दरारें आई हैं। जोशीमठ-औली रोड भी कई स्थानों पर भी धंसी है। भूधंसाव के कारण जोशीमठ-औली रोपवे भी बंद कर दिया गया है। अब तक जोशीमठ से 334 प्रभावित परिवारों को विस्थापित किया जा चुका है। यहां अभी तक 863 भवनों पर दरारें आई हैं। वहीं असुरक्षित घोषित हो चुके दो होटलों समेत 20 भवनों की डिस्मेंटलिंग का काम जारी है। अपर सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास डा आनंद श्रीवास्तव के अनुसार जोशीमठ शहर पुराने भूस्खलन क्षेत्र के पर बसा है। ऐसे क्षेत्रों में जल निस्तारण की उचित व्यवस्था न होने की स्थिति में भूमि में समाने वाले पानी के साथ मिट्टी अन्य पानी के साथ बह जाने से कई बार भूधंसाव की स्थिति उत्पन्न होती है। वर्तमान में जोशीमठ में भी ऐसा ही हो रहा है। जोशीमठ में वर्ष 1970 से भूधंसाव हो रहा है। लेकिन फरवरी 2021 में धौलीगंगा में आई बाढ़ के कारण अलकनंदा नदी के तट पर कटाव के बाद यह भूधंसाव ज्यादा गंभीर हुआ। भूधंसाव व भूस्खलन के कारणों की तह में जाने और उपचार की संस्तुति करने के उद्देश्य से सरकार ने विशेषज्ञ दल का गठन किया था। इसमें उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के विज्ञानी शामिल थे। विज्ञानियों के दल ने 16 से 20 अगस्त तक जोशीमठ क्षेत्र का सर्वेक्षण करने के बाद सितंबर में रिपोर्ट सौंपी थी। इन विज्ञानियों कुछ सुझाव दिए थे। जिसमें कहा गया था कि जोशीमठ में वर्षा जल और घरों से निकलने वाले पानी के निस्तारण की व्यवस्था की जाए। अलकनंदा नदी से भूकटाव को नियंत्रित करने के लिए तटबंध की व्यवस्था की जाए। शहर से होकर बहने वाले नालों का सुदृढ़ीकरण व चौनलाइजेशन किया जाए। क्षेत्र की धारण क्षमता के अनुरूप निर्माण कार्यों पर नियंत्रण लगाया जाए। जोशीमठ क्षेत्र से ऐतिहासिक भूकंपीय फाल्ट मेन सेंट्रल थ्रस्ट भी गुजर रहा है। जो भूगर्भ में लावे वाली साथ से कनेक्ट होकर वहां की ऊर्जा को हलचल के साथ सतह तक प्रभावित करता है। पर्यावरणीय कारणों से खिसकने की प्रकृति रखने वाली भूमि के लिए इस तरह की हलचल अधिक खतरनाक बना देती है। जोशीमठ के ऊपरी क्षेत्र के पहाड़ बर्फबारी के चलते ठोस रहते थे और इन्हें भूस्खलन से महफूज माना जाता था। लेकिन, जलवायु परिवर्तन के चलते इन क्षेत्रों में भी बारिश रिकार्ड की जा रही है। इससे ग्लेशियर या स्नो-कवर वाले क्षेत्र पीछे खिसक रहे हैं। बर्फ के कारण जो जमीन ठोस रहती थी, वह अब ढीली पड़ने लगी है। इसके चलते जामीन में भूस्खलन या धंसाव की स्थिति पैदा हो रही है।

वर्ष 1970 में आई थी भयंकर आपदा,1976 में मिश्रा कमेटी ने विस्तृत रिपोर्ट सौंपी थी

देहरादून। जोशीमठ का यह पूरा क्षेत्र वर्ष 1970 में उस समय की सबसे बड़ी त्रासदी झेल चुका है। इस त्रासदी के प्रभाव व कारण को उत्तराखंड अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (यूसैक) के निदेशक प्रो. एमपीएस बिष्ट अपनी पीएचडी में बयां कर चुके हैं। प्रो. एमपीएस बिष्ट की पीएचडी के तथ्यों के मुताबिक, यहां की जमीन की संवेदनशीलता का संबंध क्षेत्र के पर्वतीय अंतर (ओरोग्राफिक डिफ्रेंस) से है। यहां लेसर हिमालय की पहाड़ियों के बाद अचानक से 1800 से 2200 मीटर ऊंचाई की पर्वत शृंखलाएं पाई जाती हैं। जिसके चलते दक्षिणी छोर में भारी वर्षा होती है। जोशीमठ क्षेत्र इसी दक्षिणी छोर में आता है। संभवत: इन्हीं कारणों के चलते वर्ष 1970 में भी सात दिन तक लगातार भारी से भारी वर्षा रिकार्ड की गई और 20-21 जुलाई 1970 को जोशीमठ क्षेत्र में उस समय की सबसे बड़ी आपदा घटित हुई। तब जोशीमठ के पूर्व में स्थित ढाक नाले में अत्यधिक मलबा आ गया था। जिसने धौली गंगा का रुख दल दिया था। अलकनंदा व विष्णु गंगा के पास आपस में मिलने वाली कर्मनाशा और कल्पगंगा ने क्षेत्र में भारी तबाही मचाई थी। जोशीमठ के पास हेलंग गांव भी इस तबाही का बुरी तरह शिकार हुआ। इस तबाही के चपेट में भरोसी, डूंगरी, डूंगरा, सलूर जैसे गांव भी आए। 50 से अधिक गांवों ने गहरी मार झेली थी और जोशीमठ के अपस्ट्रीम में 14 पुल तबाह हो गए थे। साथ ही पीपलकोटी से जोशीमठ की तरफ 15 किलोमीटर राजमार्ग पूरी तरह ध्वस्त हो गया था। बिरही में वर्ष 1859 में एक ताल बन गया था। जिसे गौना ताल कहा गया।करीब 100 साल बाद 1970 की आपदा में यह ताल टूट गया था। जिसने आपदा की भीषणता को और बढ़ा दिया था। इस तबाही में बेलकुची बांध भी टूट गया था। इस तबाही के मलबे के निशान प्रयागराज तक देखे गए थे। जोशीमठ में तमाम बहुमंजिला भवनों का निर्माण खिसकने की प्रवृत्ति रखने वाले बोल्डरों के ऊपर किया गया है। भूविज्ञानी प्रो. एमपीएस बिष्ट ने भूविज्ञान की नजर से भूधंसाव की स्थित को करीब से देखा।उन्होंने जोशीमठ क्षेत्र में तमाम बड़े-बड़े बोल्डरों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने पाया कि यहां सरकार की मशीनरी से लेकर आमजन ने बोल्डरों को बेडराक (स्थिर चट्टान) समझने की भूल की और इनके ऊपर बहुमंजिला भवन खड़े कर दिए गए। जोशीमठ में घर व सड़कों पर आ रही दरारों और धंसाव को लेकर रुड़की स्थित केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान व भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के विज्ञानियों ने लगातार निगरानी व विस्तृत जांच पर जोर दिया। विज्ञानियों के अध्ययन में यह बात भी सामने आई कि जोशीमठ में जल निकासी का अभाव, भवनों का कंस्ट्रक्शन उचित तरीके से नहीं होना, नदी से भू-कटाव, तेजी से हो रहे निर्माण, प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से इस क्षेत्र का संवेदनशील होना भवनों में दरार आने और धंसाव की वजह हैं। 1976 में मिश्रा कमेटी में आधिकारिक तौर पर ये बात उजागर हुई थी कि जोशीमठ में भूमि व भवनों में दरार पड़ रही है। इसके बाद से पिछले वर्ष तक कई रिपोर्ट आईं, लेकिन किसी पर अमल नहीं हुआ। इसरो ने भी सैटेलाइट से जोशीमठ का जायजा लिया। यह रिपोर्ट हैदराबाद स्थित नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर जारी की थी। हालांकि बाद में इसे इसरो की साइट और अन्य स्थानों से हटा दिया गया। जिसमें जोशीमठ क्षेत्र में 12 दिन में ही 5.4 सेंटीमीटर (54 मिलीमीटर) के धंसाव की चौकाने वाली जानकारी दी गई। यह जानकारी इसरो के हवाले से प्रमुख समाचार एजेंसी पीटीआइ ने जारी की। यह धंसाव जोशीमठ शहर के मध्य क्षेत्र तक सीमित पाया गया। धंसाव का ऊपरी क्षेत्र जोशीमठ-औली रोड पर 2180 मीटर की ऊंचाई पर दर्शाया गया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धूमधाम से मनाई नेताजी बोस की जयंती

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। देश की आजादी के नायक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126 वीं जयंती के अवसर पर महानगर कांग्रेस कमेटी,महिला कांग्रेस कमेटी, यूथ कांग्रेस कांग्रेस, सेवा दल,

एनएसयूआइ, महानगर कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ, किसान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इससे पूर्व महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जगदीश तनेजा और उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीना शर्मा के नेतृत्व में इंडेन गैस के सामने नेताजी सुभाष चौक पर पहुंचकर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर व जब तक सूरज चांद रहेगा नेताजी का नाम रहेगा के गगनभेदी नारे लगाकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पूर्व सभी कांग्रेस कार्यकर्ता संजय नगर में एकत्र हुए जहां पर नेताजी की मूर्ति पर सभी ने माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और बच्चों ने राष्ट्रीय गान गाया और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर पूर्व दर्जा राज्यमंत्री हरीश बाबरा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता गोपाल कृष्ण भसीन, रामस्वरूप भारती, अमीर हुसैन, सुनील विश्वास, पूर्व मेयर प्रत्याशी सुनील आर्य, पूर्व सांसद प्रतिनिधि साजिद खान, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधान विजय यादव, महानगर महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष मोनिका ढाली, महानगर कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष संजीव रस्तोगी, महानगर अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रामप्रसाद, महानगर किसान कांग्रेस के अध्यक्ष रामदयाल सिंह, महानगर यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष संतोष गुप्ता, भूपेश सोनी, रामाधारी गंगवार, सपना गिल, बाबू विश्वकर्मा,अमीर हुसैन, उमर अली सलमानी, संजय गुप्ता, उदय वर्मन, छेदा लाल राठौर, विजय अरोरा, राजेश कुमार ,रंजीत सिंह राणा,शिवपद सरकार, विमल घरामी, खगोपति विश्वास, विकास, अर्जुन विश्वास, नीरज आदि मौजूद थे।

भुलाया नहीं जा सकता नेताजी बोस का योगदान: रामपाल

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। देश के महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाते हुए मेयर रामपाल सिंह ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ संजय नगर खेड़ा स्थित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की मूर्ति पर माल्यार्पण किया और उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मेयर रामपाल ने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने देश की आजादी में जो योगदान दिया उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके महान त्याग और बलिदान की बदौलत देश गुलामी की जंजीरों से मुक्त हुआ। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने अपने क्रांतिकारी तेवरों से ब्रिटिश राज को हिलाकर रख दिया था। उन्होनें तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा, जय हिंद जैसे नारों से आजादी की लड़ाई को नई उर्जा देने का काम किया था। नेताजी बोस ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानी थे जिनसे आज भी युवा वर्ग प्रेरणा लेता है। नेताजी की देश भक्ति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होनें स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लेने के लिए सिविल सर्विस की नौकरी छोड़ दी और देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त करने की लड़ाई में जी जान से जुट गये। उन्होंने आजाद हिंद सरकार की स्थापना करते हुए आजाद हिंद फौज का गठन किया था। पूर्ण स्वराज के लिए वह कई बार जेल गये। ऐसे महान क्रांतिकारी देशवासियों के दिलों में आज भी जिंदा है। उन्होंने कहा कि आज युवाओं में नेताजी बोस जैसी देश भक्ति की आवश्यकता है। तभी हम देश को विश्व गुरू बनाने में सक्षम होंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता उत्तम दत्ता, उत्तरी मंडल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता, तरुण दत्ता प्रभात स्वर्णकार, परिमल मंडल, शिव कुमार राय, अखिल विश्वास, डीके गंगवार पार्षद विधान राय, शिव कुमार गंगवार, मदन दिवाकर विजय डे, शंकर विश्वास, आदेश भारद्वाज, अरुण मंडल आदि सहित तमाम लोग मौजूद थे।

नौ साल बाद मां धारी देवी की मूर्ति 28 जनवरी को नए मंदिर में होगी स्थापित

देहरादून/पौड़ी। मां धारी देवी की मूर्ति नौ साल बाद एक अपने नए मंदिर में स्थापित होने जा रही है। मां के भक्तों के लिए ये खास दिन होगा। इस नए मंदिर में मां धारी का स्थान अलकनंदा नदी में उनके मूल स्थान के ठीक उपर होगा। मां धारी देवी की मूर्ति को नए मंदिर में शिफ्ट करने की तैयारी चल रही है। मंदिर का रंग रोगन किया गया है। नौ साल से लंबे इंतजार के बाद मां धारी देवी अपने नए मंदिर में विराजेंगी। इस दिन विशेष आयोजन किए जा रहें हैं। मंदिर के पुजारी के मुताबिक लक्ष्मी प्रसाद पांडेय के अनुसार मूर्ति को नए स्थान पर स्थापित करने के लिए 28 जनवरी की तारीख तय की गई है। स्थान का शुद्धीकरण करने के बाद मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से मां की मूर्ति स्थापित की जाएगी। आपको बता दें कि श्रीनगर से 13 किलोमीटर दूर मां धारी देवी अपने मूल स्थान अलकनंदा नदी में स्थापित थीं। श्रीनगर बिजली परियोजना के ये पूरा इलाका झील में आ गया और मां की मूर्ति डूब क्षेत्र में आ गयी। बाद में मां धारी देवी की मूर्ति को उनके मूल स्थान से उठाकर तकरीबन चालीस फीट उंचे एक प्लेटफार्म पर सिमेंटेड पिलर्स पर एक प्लेटफार्म बनाकर स्थापित किया गया। कहते हैं कि जिस दिन मां की मूर्ति को अपने स्थान से उठाया गया वो तारीख 16 जून 2013 थी। लोगों का मानना है कि मूर्ति हटाने के बाद ही केदारनाथ में भीषण आपदा आई थी। देवी काली को समर्पित मंदिर यह मंदिर इस क्षेत्र में बहुत पूजनीये है। लोगों का मानना है कि यहाँ धारी माता की मूर्ति एक दिन में तीन बार अपना रूप बदलती हैं पहले एक लड़की फिर महिला और अंत में बूढ़ी महिला। एक पौराणिक कथन के अनुसार कि एक बार भीषण बाढ़ से एक मंदिर बह गया और धारी देवी की मूर्ति धारो गांव के पास एक चट्टान के रुक गई थी। गांव वालों ने मूर्ति से विलाप की आवाज सुनाई सुनी और पवित्र आवाज ने उन्हें मूर्ति स्थापित करने का निर्देश दिया। हर साल नवरात्रों के अवसर पर देवी कालीसौर को विशेष पूजा की जाती है। देवी काली के आशीर्वाद पाने के लिए दूर और नजदीक के लोग इस पवित्र दर्शन करने आते रहे हैं। मां धारी देवी को उत्तराखंड की रक्षक देवी भी माना जाता है।

शीघ्र आवश्यकता है

SAMPURNA JEEVAN DHAN NIDHI LIMITED (BANKING SERVICES) को

1.**रिसेप्शनिष्ट(महिला)**–(1),**योग्यता**–स्नातक एवं कम्प्यूटर में एक वर्ष का डिप्लोमा,अनुभवी को वरीयता (वेतन योग्यतानुसार)

2. **कम्प्यूटर ऑपरेटर कम एकाउन्टेंट**–(1)**योग्यता**–B.C.A. /**बी.कॉम**, अनुभव–दो वर्ष, (वेतन योग्यतानुसार)

3. **सेल्स एक्जीक्यूटिव**– (25), **योग्यता**–हाईस्कूल,अनुभवी को वरीयता स्वयं का दो पहिया वाहन होना अनिवार्य (वेतन–20,000+इन्सेंटिव)

4. **मैनेजर**– (1) योग्यता–स्नातक+एमबीए (अनुभव 2 वर्ष) (वेतन योग्यतानुसार)

5. **सेल्स एक्जीक्यूटिव (महिला एवं पुरूष) –पार्ट टाईम**(कमीशन के आधार पर)

6. **ड्राईवर** (1) योग्यता आठवीं पास

बॉयोडाटा एवं प्रमाण पत्रों सहित 10 से सायं 4 बजे तक सम्पर्क करें।

पता- 7&8 ,**रुद्रा ऑर्केड कॉम्प्लैक्स प्लॉट नं.12,नैनीताल हाईवे,(31,वीं वाहिनी पी.ए.सी. गेट के सामने) आवास विकास, रुद्रपुर जिला-उधम सिंह नगर**

Ph.7055903977,7579280778,05944-240875,05944-297127

www.sampurnajeevan.com

अरोरा डेन्टल केयर

Dental Facilities / सुविधायें

डैंटल इंप्लान्ट की सुविधा आसान किस्तों में उपलब्ध

- दांतों की नसों का इलाज / RCT
- फिक्स दांत लगाना / Crown, Bridge & Dental Implant
- नकली दांतो का जबड़ा लगाना / Complete Denture
- टेढ़े-मेढ़े दांतों को सीधा करना / Ortho Treatment
- दांतों के रंग की फिलिंग / Composite Filling
- मसूड़ें द्वारा पायरिया का इलाज / Ultrasonic Scaling

B.D.S.,PGDHA (Oral Implantologist) M.9837081085

B.D.S.,(Dental Surgeon) M.9997327642

(15 साल का अनुभव)

1. J.K. Tower, Near Navrang Sweets, Janta Inter Collage Road, Rudrapur

2. Doctor Colony Gali No.1 Near Ahan Hospital, Rudrapur

वाटर प्रूफिंग

हमारे यहां मकान की वाटर प्रूफिंग जैसे- छत का टपकना, सिलन आना, लिकीज होना, बेसमेन्ट, शौचालय, बाथरूम, किचन में सिलन आना व पानी टपकना एवं टिन शैड का कार्य सन्तोषजनक किया जाता है।

प्रो. शादाब खान

9012051994, 6399038125

आर्क होटल के पीछे, बत्रा कालोनी, बिलासपुर रोड, रुद्रपुर

आंशिक संशोधन सूचना

दिनांक 23.01.2023

मेट्रोपोलिस रेजीडेन्ट वेलफेयर एसोसिएशन, मेट्रोपोलिस सिटी रूद्रपुर की नयी कार्यकारिणी के गठन से सम्बंधित जारी दिनांक 21.01.2023 की विज्ञप्ति में आंशिक संशोधन करते हुए अवगत कराना है कि दिनांक 26.01.2023 को गणतंत्र दिवस (राष्ट्रीय पर्व) होने के कारण 26.01.2023 के चुनाव से सम्बंधित कार्यक्रम 27.01.2023 को सम्पन्न किये जायेंगे।

आज्ञा से

अध्यक्ष चुनाव समन्वय समिति, एमआरडब्लूए

ब्रिलियंट एकेडमी में धूमधाम से मनाई सुभाष जयंती

देश की आजादी में नेताजी का योगदान अविस्मरणीय: रॉय

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैंप स्थित ब्रिलिएट एकेडमी स्कूल मे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी की 126 वीं जयन्ती धूमधाम से मनाई गयी। सर्व प्रथम

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के चित्र पर, पुष्पार्चन एवं माल्यार्पण कर नेताजी को नमन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा चार्ट व मॉडल पेपर पर नेताजी का चित्र एवं उनकी जीवनी पर लेख लिखकर प्रदर्शित किया गया। जिसमें विद्यालय के अधिकांश बच्चो ने उत्साह पूर्वक इस प्रतिभाग किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक परिमल राय ने कहा कि क्रांति के अग्रदूत एवं आजादी के महानायक नेताजी सुभाषचन्द्र बोस स्थापित की गई आजाद हिन्द फौज के सभी सेनानियों को भी आज याद किया जाना हम सभी भारत वासियो का नैतिक दायित्व एवं परम कर्तव्य है। उन्होंने कहा आजादी में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के योगदान को भुलाया नही जा सकता। आज नेताजी द्वारा कही गयी बातो का अनुसरण कर एवं उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हम सबको देश की रक्षा एवं सम्मान में सदैव तत्पर रहना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती बुलकुल राय ने भी छात्र छात्राओ को सम्बोधित किया गया। नेताजी का चित्र बनाओ एवं नेताजी को जानो प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दुर्जनलाल, रोहित, श्रीमती सुमन, श्रीमती गायत्री, श्रीमती अनुपमा, श्रीमती भारती, श्रीमती राधिका, सीमा, अंजलि, शांति आर्या, ज्ञानवती, शालिनी विश्वकर्मा, अनीशा, जया, प्रतीक्षा गंगवार, विमलेश, पिंकी कन्नोजिया, पूजा सैनी आदि समस्त विद्यालय स्टॉफ तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हेलीकॉप्टर की उड़ान रोकने के आदेश सुरक्षा कारणों को लेकर दिए गये थे : हिमांशु वर्मा

बागेश्वर(उद संवाददाता)। बागेश्वर के प्रसिद्ध उत्तरायणी मेले में स्थानीय डिग्री कालेज मैदान से हेली सेवा के संचालन को लेकर जहां छात्रसंघ पदाधिकारियों द्वारा हस्तक्षेप किया गया वहीं पुलिस प्रशासन पर भी सेवा को बाधित करने का आरोप लगाया जा रहा था। जबकि नगर पालिकाध्यक्ष व हेली सेवा के मैनेजर ने जिला प्रशासन से पूर्व में अनुमति लेने व पुलिस कर्मियों पर अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया था। वहीं अब पुलिस अधीक्षक हिमांशु कुमार वर्मा ने हेली सेवा को बाधित करने के आरोपों के बाद सफाई देते हुए कहा है कि हेलीकॉप्टर को रोकने के निर्देश पुलिस के थे। सुरक्षा कारणों से यह निर्णय लिया गया। एसपी ने खुलासा करते हुए बताया कि एसओजी और पुलिस को वहां भेजा गया था। बाद में हेलीकाप्टर सेवा के मैनेजर और पालिकाध्यक्ष से उनकी वार्ता हुई। सेवा को बहाल रखने का निर्णय लिया गया। पुलिस अधीक्षक ने हेलीकॉप्टर विवाद पर पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि 19

जनवरी को हेलीकॉप्टर की उड़ान पर रोक के आदेश सुरक्षा कारणों को लेकर दिए थे। एसओजी और पुलिस को वहां उनके आदेश पर भेजा था। यह सुरक्षा कारणों से किया गया। पुलिस के पास हेलीकॉप्टर उड़ान को लेकर कोई अनुमति आदि पत्र नहीं भेजा गया था। मेले में हजारों लोग आ रहे हैं। सैकड़ों लोग हेलीकॉप्टर में बैठ रहे थे। कौन कहां से आया है इसकी लिखित जानकारी नगर पालिका या हेरिटेज कंपनी रख रही है या नहीं इसकी जानकारी ली गई। सुरक्षा कारणों के कारण अचानाक यह निर्णय लेना पड़ा। बाद में पालिकाध्यक्ष सुरेश खेतवाल तथा हेली सेवा के बैस मैनेजर से वार्ता हुई। उसके बाद सेवा बहाल कर दी गई। दो दिन तक हेली सेवा चलती रही।उन्होंने कहा कि उत्तरायणी मेले में डेढ़ लाख से अधिक लोगों की सुरक्षा पुलिस महकमे के पास थी। कुछ लोग मामले को जबरन तूल दे रहे हैं। इस दौरान सीओ ऑपरेशन अंकित कंडारी, सीओ कपकोट अशोक सिंह परिहार आदि उपस्थित थे।

दहेज लोभियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

गदरपुर(उद संवाददाता)।थाना पुलिस ने 2 मामलों में विवाहिता को प्रताड़ित करने एवं दहेज मांगने के आरोप में ससुरालियों के खिलाफ दहेज अधिनियम सहित अन्य संगीन धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गूलरभोज निवासी रितु पत्नी अमन कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका विवाह हिंदू रीति रिवाज के अनुसार अमन कुमार पुत्र राजेंद्र कुमार निवासी दुर्गा एनक्लेव फरीदाबाद में हुआ था बताया कि शादी के समय माता पिता ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार सारा घरेलू सामान दिया था , परंतु विवाह के कुछ समय बाद ससुराल वालों द्वारा कम दहेज लाने का ताना देकर प्रताड़ित किया जाने लगा ससुराल वाले आए दिन उसके साथ मारपीट भी करने लगे इस बीच छत से गिरने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गई जिसके कारण वह गदरपुर में अपने भाई के यहां रहकर इलाज कराती रही रितु ने पुलिस से ससुराल के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर पति एवं सास के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। वहीं दूसरे मामले में पुलिस ने गदरपुर के 1 गांव निवासी विवाहिता की शिकायत पर पति, सास ,ससुर ,ननद एवं नंदोई के खिलाफ दहेज अधिनियम के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है, पीड़िता की शादी रुद्रपुर निवासी युवक के साथ हुई थी विवाह के करीब 6 माह तक सही चलता रहा तो शादी के 6 महीने बीतने के बाद उसे दहेज की खातिर प्रताड़ित किया जाने लगा। उसने ससुराल पक्ष पर संगीन आरोप लगाते हुए बताया कि उसकी अश्लील वीडियो भी बनाई जाती थी साथ ही देह व्यापार में धकेलने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की तहकीकात शुरू कर दी है।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बनने पर हेमंत का किया स्वागत

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा द्वारा गोलापार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत बगढ़वाल को बनाये जाने पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य वरिष्ठ काग्रेसी हरेंद्र बोरा के नेतृत्व मे कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देकर स्वागत किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरी एकजुटता के साथ भारतीय जनता पार्टी की जन विरोधी नीतियों का विरोध करेगी तथा 2024 में पुनः कांग्रेस पूरे देश में वापसी करेगी। इस दौरान पूर्व प्रधान हरेंद्र बिष्ट, क्षेत्र पंचायत सदस्य अर्जुन बिष्ट, इंदर पाल आर्या, बलवंत मेहरा, देवेंद्र मेहरा, हरेंद्र क्वीरा, नीरज रेकवाल, विक्रम रेकुनी

आदि उपस्थित थे। वही हल्द्वानी ग्रामीण के अध्यक्ष कुंदन नेगी को पुनः ब्लॉक अध्यक्ष बनाये जाने पर उनका भी स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों मेँ वरिष्ठ काग्रेसी नेता संजय किरोला, किरन मेहरा, भागीरथी देवी, नीलू नेगी, जया कर्नाटक, राधा चौधरी, हिमांशु जोशी, महेश कांडपाल आदि उपस्थित रहे।

प्राकृतिक चिकित्सा एक समग्र आयुर्विज्ञान:योगाचार्य दयाशंकर

काशीपुर(उद संवाददाता)। सूर्या फाउंडेशन तथा अंतरराष्ट्रीय नेचुरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन के तत्वाधान में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचरोपैथी आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से 'रोगमुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत प्राकृतिक चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन गांव टीला के प्राइमरी स्कूल में किया गया। योगाचार्य दयाशंकर ने कहा कि भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति में से प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति एक है जो रोगों के उपचार के साथ ही जड़ से खत्म करती है इसका मूल आधार मिट्टी, पानी, धूप हवा सब रोगों की यही दवा है। जिसमें शुद्धि क्रिया के तहत कुंजल, गरारे, एनिमा से किया जाता है। भोजन में अंकुरित एवं कच्चा अहार और मौसमी फलों का ज्यादा से ज्यादा सेवन करना चाहिए। अपने घर की रसोई के सामानों जैसे मेथी, अजवाइन, काली मिर्च, हल्दी, सेंधा नमक इत्यादि से हम कैसे अपने एवं परिवार का इलाज कर सकते हैं। एक्यूप्रेशर के बारे में भी जानकारी दी। योगाचार्य दयाशंकर ने बताया कि एक्यूप्रेशर के माध्यम से बहुत सारे शरीर के पुराने से पुराने दर्द का भी हम इलाज कर सकते हैं। इसकी भी पूरी जानकारी दी और कई लोगों का एक्यूप्रेशर से इलाज भी कर के दिखलाया। प्राकृतिक चिकित्सा एवं परामर्श शिविर में महिला पुरुष युवा बच्चे समेत दर्जनों से अधिक संख्या उपस्थित रही। इस मौके पर भरत साह, सुनील, सचिन, दीपक,गौरव, कृष्णा, रवि, शिवम, विकास, गौरव, दीपक, आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेसजनों ने जयन्ती पर सुभाष चन्द्र बोस को दी श्रद्धांजलि

सितारगंज(उद संवाददाता)। महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयन्ती पर कांग्रेसजनों ने उन्हें याद किया। कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाजली अर्पित की और उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि नेता जी सुभाष चन्द्र बोस ने जिस तरह से युवावस्था में देश को आजाद करवाने हेतु अंग्रेजो को लोहे की चने चबाते हुए देश को आजादी दिलाने में जो अहम भूमिका निभायी उसे कभी भूलाया नहीं जायेगा। इस मौके पर कांग्रेस पार्टी नगर अध्यक्ष सरताज अहमद, ब्लाक अध्यक्ष हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी, पूर्व नगर अध्यक्ष हरपाल सिंह, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष करन जंग, जिला महासचिव जिलानी अंसारी, विपिन खोलिया, शाकिर अली उर्फ बब्बू, मोहसिन मिया, मुख्त्यार अंसारी, वसीम मियाँ, अखिलेश सिंह, मलकीत सिंह जानकी कोहली, सरस्वती बाला पूरन सिंह राना आदि लोग मौजूद रहे।

बनभूलपुरा के गरीबों के पक्ष में आएगा फैसला: अखिलेश

पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने यूपी और उत्तराखंड सरकार पर साधा निशाना

हल्द्वानी। उत्तरप्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव रविवार को हल्द्वानी में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कि केदारनाथ में जिस समय आपदा आई और बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। सरकार ने उससे भी कुछ नहीं सीखा। जोशीमठ में विकास कार्य के दौरान एनटीपीसी, सरकार व ठेकेदारों को जिन बातों का ध्यान रखना था वह नहीं रखा। जिसके कारण हुए नुकसान की भरपाई क्या सरकार कर पाएगी? कहा कि समाजवादी पार्टी का मानना है जो बाजारी भाव है उतना मुआवजा विस्थापन के लिए देना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी उत्तराखंड के हैं। अगर ये सभी जोशीमठ के लोगों का ध्यान नहीं रखेंगे तो कौन देगा। उत्तर प्रदेश सरकार को भी जोशीमठ के लोगों की मदद के लिये आगे आना चाहिये। पूर्व सीएम अखिलेश ने कहा कि बनभूलपुरा क्षेत्र में रेलवे की जमीन पर हुए अतिक्रमण को हटाने के मामले में कहा यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है। उन्हें भरोसा है कि फैसला गरीबों के पक्ष में आएगा। जो सपने उत्तराखंड बनने पर दिखाए थे वह यहां सब सरकारों ने तोड़ दिए हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के लिए मैंने

यूपी में पेपर लीक होते ही उत्तराखंड में पेपर लीक हो जाता है!

हल्द्वानी। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तराखंड जितना छोटा स्टेट है उतने ही घोटाले यहां हो रहे हैं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि मैं यहां की नौकरी देने की व्यवस्था को देखकर दंग रह गया। उन्हें पढ़ने को मिला कि पुरानी सरकार ने भ्रष्टाचार किया है तो हम भी भ्रष्टाचार करेंगे। जब विधानसभा में इतने बड़े पैमाने में घोटाला हो गया बाकी विभाग व भर्ती में तो होगा ही। यहां की सरकार ने उत्तर प्रदेश से सीखा है पेपर लीक। उन्होंने यहां तक कह दिया हमारे मुख्यमंत्री बता देते होंगे पेपर कैसे लीक करना है। क्योंकि यूपी में पेपर लीक होते ही उत्तराखंड में पेपर लीक हो जाता है। अखिलेश यहीं नहीं रुके और बोले हमारे मुख्यमंत्री को भी उत्तराखंड बुला लो। नहीं बुला रहे तो उनके कहो नौकरी में भी कुछ आरक्षण दे दो।

राहुल गांधी को बधाई दी। उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी पत्र आया था। यात्रा कांग्रेस का राजनीतिक मुद्दा है। समाजवादी पार्टी के अपने सिद्धांत हैं। उनके साथ हम शामिल नहीं होंगे। उत्तराखंड में समाजवादी पार्टी मजबूत होगी। इसके लिए पदाधिकारी लोगों को पार्टी से जोड़ेंगे। उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम व सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जोशीमठ में सरकार विकास को विनाश की तरफ ले गई। विकास के जो पैरामीटर हैं उनका पालन नहीं किया गया। एक्सपर्ट, साइंटिस्ट व रिसर्च करने वालों ने सरकारों को समय-समय पर सतर्क किया। जागरूक लोगों ने विकास कार्य का विरोध किया था। एनटीपीसी की वजह से पहाड़ों को खोखला कर दिया गया। मुनाफे के चक्कर में जोशीमठ व आसपास के क्षेत्रों को बर्बाद किया गया है। 2024 के चुनाव पर अखिलेश ने कहा कि जिस प्रदेश ने बीजेपी की सरकार बनाई वही प्रदेश बीजेपी को बाहर कर देगा। उत्तर प्रदेश में बीजेपी ने 2014 व 2019 में इतनी सीटें नहीं जीती होती तो शायद सरकार नहीं बनी होती। बीजेपी का घोषणापत्र उठाकर देखिए 2022 अभी खत्म हुआ है। इन्होंने जो वादे 2022 तक करने को कहे थे वह पूरे नहीं किए। किसान की आमदनी आज तक नहीं बढ़ी। जरूरत की हर चीजें महंगी हो गई है। कुछ लोगों के हाथ में बाजार दिया जा रहा है। अखिलेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पहले प्रधानमंत्री नहीं हैं जिन्होंने सफाई के लिए कहा हो, लेकिन झाड़ू उठाने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं। लेकिन आज तक सड़कों से कूड़ा खत्म नहीं हो सका। उन्होंने उत्तराखंड के लोगों से भी अपील करते हुए कहा कि बीजेपी को देश से हटाओ।

गदरपुर ब्लॉक के चिकित्सक रिफ्रेशर की ट्रेनिंग लेकर लौटे

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। नैनीताल में आयोजित कुमांऊ मंडल का राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रशिक्षण कार्यशाला में जनपद ऊधम सिंह नगर के भी चिकित्सकों ने प्रतिभाग किया। इसमें गदरपुर ब्लॉक क्षेत्र के सरकारी चिकित्सक प्रशिक्षण लेकर लौट आये है। प्रशिक्षण पांच दिवसीय था। इस दौरान प्रशिक्षण लेकर लौटी टीम बच्चों के उपचार से संबंधित तमाम कार्य करेगी। राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में प्रशिक्षणों ने 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों में होने वाली गंभीर

बीमारियों से अवगत कराया। गदरपुर ब्लॉक के चिकित्सक प्रशांत चौहान ने बताया कि कार्यशाला में पहुंचे प्रशिक्षणों ने बच्चों में होने वाली बीमारियों से अवगत कराया। बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम टीम अपने क्षेत्र के आंगनबाड़ी केन्द्र और स्कूलों में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर रही है। ऐसे में प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों में होन वाली एनिमिया,कुष्ठ रोग,डिफीसेंसी आदि आदि बीमारियों का प्रशिक्षण दिया टीम ने कई और भी बीमारियों से संबंधित प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण लेकर पहुंचे चिकित्सकों में डा.प्रशांत चौहान के अलावा डा.कल्पना पांडे,डा.आतीश कालड़ा, विमला समेत अन्य शामिल हैं।

किसानों के हित के लिए सोलर पंप की सुविधा दे रही है सरकार: हुड़िया

गदरपुर(उद संवाददाता)। भाजपा किसान मोर्चा किसानों के हितों के हर सम्भव कार्य करने के लिये दिन रात एक करके मदद करने का पूर्ण प्रयास कर रही है, जिससे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े एवं लगातार अधिकारियों से मिलकर किसानों के हितों के लिये कार्य करने के निर्देश दे रहे है। इसी क्रम में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश हुड़िया ने अपने कार्यालय पर जेई टिंकू सागर से मुलाकात करके किसानों के हित में सोलर पंप को लेकर जानकारी ली व छोटे किसानों के लिए सोलर पंप लगाने हेतु वार्ता

की गई। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश हुड़िया ने निर्देश देते हुये कहा कि सरकार द्वारा जो भी किसानों की योजनाएं राजू जीत की जा रही हैं। वह शहरी से लेकर ग्राम स्तर तक छोटे से बड़े किसानों तक पहुंचे यह सुनिश्चित है। वही जेई टिंकू सागर ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा सोलर पंप पर छूट का फायदा किसानों तक पहुंचे उसके लिये हर मदद करने का प्रयास किया जा रहा है। इस मौके हरलोक सिंह नामधारी, जसवीर सिंह चीमा, संदीप गुंबर, मनोज चौहान आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरकार के खिलाफ युंकाईयों का धरना प्रदर्शन

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मनदीप नरवाल के नेतृत्व में जिला मुख्यालय की गई। जिला प्रभारी हेमन्त साहू ने राज्य सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुये कहाँ प्रदेश सरकार का रवैया लीपा पोती जोशी मठ में मुख्यमंत्री द्वारा स्थायी समाधान के बजाय कम्मल बाटें पर तीखी आलोचना की। युवा कांग्रेस है, इसी माँग के समर्थन में आज भगत सिंह चौक पर युवा कांग्रेस ने धरना एवं प्रदर्शन करते हुए यह माँग की है। इस मौके यूथ के प्रदेश उपाध्यक्ष जिला प्रभारी हेमन्त साहू व सहप्रभारी तस्लीम राजा का कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। धरना प्रदर्शन स्थल पर जिला प्रभारी हेमन्त साहू कुमाऊँ मीडिया प्रभारी सोफिया नाज,तस्लीम राजा जसपुर विधानसभा अध्यक्ष मोइनुद्दीन , निशान्त साही अर्जुन गंगवार प्रदेश संयोजक राघव सिंह राहुल रमनदीप कम्बोज नवेद वसीम अकरम समीर शेफी अमन जौहरी, सचिन राठौर प्रकाश अधिकारी, मानस, अमन जौहरी, चेतन शर्मा, मीना शर्मा, सीपी शर्मा, मोनिका ढाली, परवीन खघन, फैज राज खघन, रवींद्र, उमा शंकर आदि थे।

रूद्रपुर के भगत सिंह चौक पर धरना प्रदर्शन किया गया तथा पेपर लीक मामलों तथा अंकिता भंडारी हत्याकांड की जाँच सीबीआई से कराने की माँग का है और दोनों ही मामलों को लंबा खींचकर मूल विषय को छिपाना चाहती है तथा विषय से ध्यान भटका कर दोषियों को बचाना चाहती है। साहू ने न्याय की माँग करते हुए बीमारी की जड़ पर चोट करना चाहती है,जिसके लिए सीबीआई जाँच अति आवश्यक तथा पारदर्शी निष्कर्ष के लिए जरूरी

भाजपा के नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का काशीपुर में किया जोरदार स्वागत

काशीपुर(उद संवाददाता)। नवीन कृषि मंडी के विश्राम गृह में भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त गदरपुर काशीपुर के सभी मंडल अध्यक्षों का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि

मंडल अध्यक्षों के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जसपुर बाजपुर के तौर पर जिला प्रभारी सुरेश भट मौजूद रहे। उन्होंने नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को बधाई देते हुए सन्निकट निकाय चुनाव एवं मिशन 2024 के लिए सक्रिय रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में एक बार फिर प्रचंड बहुमत से भाजपा जीत दर्ज कराने के लिए तत्पर है। उन्होंने नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों से अपेक्षा जताई कि पार्टी ने जिस विश्वास के साथ उन्हें दायित्व सौंपा है वह उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष एकजुटता को प्राथमिकता देते हुए संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे। स्वागत कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता राम मेहरोत्रा, आशीष गुप्ता, मोहन बिष्ट, कमल चौहान, मधुरिमा शर्मा, सुधा शर्मा व अमित सिंह आदि मौजूद रहे।

भाजपा नगर अध्यक्ष प्रताप का किया स्वागत

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी संभाग कार्यालय मुखानी में नवनियुक्त नगर अध्यक्ष प्रताप रैकवाल का सनगर के कार्यकर्ताओं द्वारा धूमधाम से स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष प्रताप रैकवाल ने की। सभी ने नगर अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ एवं पटका बनाकर नए नगर अध्यक्ष बनने की शुभकामनाएं दी। अपने संबोधन जिला अध्यक्ष ने कहा कि जो भी कार्यकर्ता पार्टी का कार्य करता है उस कार्यकर्ता को भारतीय जनता पार्टी सम्मान देती है। उन्होंने आगामी नगर निकाय, नगर पंचायत तथा नगर निगम के होने वाले चुनाव के लिए तथा 2024 मैं होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी करने का पार्टी के कार्यकर्ताओं से आग्रह किया तथा कहा वह पंडित दीनदयाल के आदर्शों पर चलकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की कोशिश करें। इस अवसर पर निवर्तमान नगर अध्यक्ष विनीत अग्रवाल ने प्रताप रैकवाल को नया दायित्व मिलने पर शुभकामनाएं दी। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रताप रैकवाल ने प्रदेश एवं जिला नेतृत्व का कार्यक्रम का संचालन मधुकर श्रोत्रीय, विनोद जयसवाल एवं इंजीनियर दिनेश सिंह ने किया। इस अवसर पर एल जिलाध्यक्ष प्रदीप बिष्ट, जिला उपाध्यक्ष प्रतिभा जोशी, जिला उपाध्यक्ष दिनेश

आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उन्हें जो दायित्व दिया है। उसे पूरे मनोयोग से पूरा करूंगा तथा नगर निगम एवं 2024 में पार्टी को पुनः विजयी बनाऊंगा। इस अवसर पर निवर्तमान नगर के पदाधिकारियों ने स्मृति चिन्ह एवं शॉल पहनाकर नवनियुक्त नगर अध्यक्ष का स्वागत किया। गोयल, प्रदेश कोषाध्यक्ष साकेत अग्रवाल, नमहिला मोर्चा नगर अध्यक्ष गीता जोशी,शेफाली जायसवाल, पूर्व दर्जा राज्यमंत्री प्रकाश हरबोला, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष महबूब अली, पूर्व नगर अध्यक्ष विजय मनराल आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

भाजपा जिला अध्यक्ष ने की मण्डल प्रभारियों की घोषणा

रुद्रपुर(उद संवाददाता)।भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल ने जिला प्रभारी पुष्कर सिंह काला, सह प्रभारी गुरविंदर सिंह चंडोक की सहमति के पश्चात जिला ऊधम सिंह नगर के मण्डल प्रभारियों की घोषणा की। जिसमे रुद्रपुर ग्रामीण का प्रभारी शालनी बोरा, रुद्रपुर उत्तरी का अजीत साह, रुद्रपुर दक्षिणी हरीश खनवानी, पंतनगर के लिये राकेश सिंह, किच्छा ग्रामीण राकेश त्यागी,किच्छा नगर ललित मिगलानी, बरा राजेश तिवारी, शक्तिफार्म ओमनारायण राणा, सितारगंज गोपाल बोरा, नानकमत्ता हिमांशु बिष्ट, झनकट शिखा हल्दार, नोसर से इंद्रपाल मान, खटीमा नगर विवेक रॉय ओर चकरपुर मण्डल के लिये किशोर जोशी को मण्डल प्रभारी बनाया। कमल जिंदल ने कहा यह सभी प्रभारी प्रत्येक मण्डल और जिले के समन्वयक के रूप में कार्य करेगे ओर सभी पार्टी के अनुभवी ओर पूर्व में या वर्तमान में किसी न किसी दायित्व पर कार्य करते आ रहे है निश्चित रूप से इन सबके के कार्य अनुभव का लाभ पार्टी संगठन के कार्यो को आगे बढ़ाने में मिलेगा। कमल जिंदल ने कहा भारतीय जनता पार्टी में हर कार्यकताओ का उपयोग किसी ना किसी रूप जरूर किया जाता है और भाजपा में हर कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है।

थारू विकास भवन को एक करोड़ मंजूर

सितारगंज(उद संवाददाता)। क्षेत्र के सिसौना में थारू विकास भवन का निर्माण होगा। इसके लिए शासन ने एक करोड़ रुपये मंजूर किये हैं। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के अनुरोध पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सितारगंज में थारू विकास भवन के निर्माण की घोषणा की थी। जिला प्रशासन ने सिसौना में थारू विकास भवन निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा था। अपर सचिव राजेंद्र कुमार ने जीओ जारी करते हुए एक करोड़ की धनराशि मंजूर की है। यह योजना करीब 1.5 करोड़ रुपये की है। शेष राशि विभाग अपने वित्तीय संसाधनों से उपलब्ध कराएंगे। यह स्वीकृत राशि डीएम के निवर्तन पर रखी गयी है । थारू विकास भवन के निर्माण के लिये धनराशि मंजूर होने पर क्षेत्र के थारू समाज ने सीएम व कैबिनेट मंत्री का आभार जताया है।

उत्तराखंड के पहलवान राजू थापा बने चैम्पियन

उत्तरायणी मेले में हेलीकॉप्टर और दंगल का जादू लोगों में छाया

बागेश्वर(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी और पालिका के संयुक्त प्रयासों से मेले की रौनक में चार चांद लग गए। मेले में हेली सेवा के बाद दंगल लोगों के आकर्षण का केंद्र बना लोग खरीददारी छोड़ दंगल देखने मे मशगूल दिखे। दंगल ने मेले में हर मेलार्थी उत्तरायणी मेला छोड़ दंगल देखने मे मस्त रहा। डीएम और पालिकाध्यक्ष की संयुक्त पहल से उत्तरायणी मेले में हेली सेवा और दंगल के आकर्षण ने मेले में नई उपलब्धि पाई। दिल्ली हरियाणा, पंजाब यूपी, राजस्थान देहरादून, नेपाल से आए पहलवानों की पहलवानी देख मेलार्थी गदगद हो गए। दंगल शुरू होते ही लोगों का हुजूम उमड़ गया। पहली बार दंगल देख लोग क्रिकेट के बजाय दंगल को पसंद करने लगे, वही दंगल में आए पहलवानों ने बागेश्वर में पहुँचने पर लोगों में दंगल देखने की भीड़ देखते हुए खिलाड़ियों का मनोबल ऊंचा हुआ। वही लोगों द्वारा कुश्ती के दंगल की सराहना की गई।दंगल देखने के लिए स्थानीय क्या बाहर से आए व्यापारी भी अपनी दुकान छोड़कर दंगल देखते नजर आए। वही बागेश्वर में पहली बार जिला प्रशासन पालिका की इस पहल से कुश्ती खिलाड़ियों को देवभूमि में अपना जलवा दिखाने का मौका देने के लिए आभार जताया।वही मेले में डीएम अनुराधा पाल और पालिकाध्यक्ष सुरेश खेतवाल के संयुक्त प्रयासों की मेलार्थियों ने सराहना की। वही डीएम अनुराधा पाल ने कहा कि दंगल के आयोजन से युवाओं का कुश्ती के प्रति रुझान बढ़ेगा। पहाड़ के युवा पहलवानी के गुर सीखे इसके लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।युवाओं को प्रोत्साहित करनेके लिए जल्द कुश्ती के दंगल को भी खेल के रूप में प्रोत्साहित करने के लिए प्रयास किया जाएगा। कुश्ती में उत्तराखंड के पहलवान राजू थापा ने कुश्ती में बाजी मारकर ट्राफी के साथ ही 25 हजार का नकद पुरूस्कार अपने नाम किया व दर्शकों की वाहवाही लूटी। उत्तरायणी मेले में पहली बार कुश्ती दंगल का आयोजन हुआ। सेमीफाइनल का कुश्ती मैच उत्तराखंड के पहलवान राजू थापा व राहुल मध्यप्रदेश के बीच खेला गया। जिसमें राजू थापा ने राहुल का पटखनी दी। व फाइनल में प्रवेश किया।। इसी तरह दूसरा सेमीफाइनल शंकर थापा नेपाल व बख्तावर पंजाब के बीच खेला गया। जिसमें बख्तावर विजय रहे। रोमांचक फाइनल मैच उत्तराखंड के राजू थापा व पंजाब के पहलवान बख्तावर के बीच खेला गया। जिसमें भगत ने विजय प्राप्त की। इसी तरह पहलवान मनोज बनारस व सचिन सहारनपुर के बीच खेला गया। जिसमें सचिन विजय रहे। हर्ष शर्मा देहरादून व सुधीर मध्यप्रदेशए रोहित व सुदामादास बाबा अयोध्यया, शंकर थापा नेपाल व कालू राजस्थान, मंजित दिल्ली व मोहित हरियाणा, बाबा अयोध्यया व शंकर थापा के बीच कुश्ती मैच हुए, जबकि पहलवान रोहित दिल्ली व मंजित हरियाणा के बीच कुश्ती मैच हुआ जो बराबरी पर रहा।जिलाधिकारी,मेला संरक्षक अनुराधा पाल, नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल, प्रायोजक दलीप खेतवाल ने विजेता व उपविजेता को ट्राफी के साथ ही नकद 25 व 11 हजार की धनराशि देकर सम्मानित किया, तथा प्रतिभागी पहलवानो को ट्राफी दी गयी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी सीएस इमलाल, इन्द्र सिंह परिहार, प्रेम सिंह हरडिया, कैलाश आर्या, नीमा दफौटी, धीरेन्द्र परिहार, प्रहलाद दफौटी, किशन नगरकोटी, दीपक खेतवाल सहित भारी संख्या में दर्शकों ने कुश्ती दगंल का लुफ्त लिया।

खुशी जोशी व गोविंद दिगारी के गीतों पर थिरके लोग

बागेश्वर(उद संवाददाता)। उत्तरायणी मेले में रंगारंग कार्यक्रमों की धूम मची है। लोक गायिका खुशी जोशी तथा गोविंद दिगारी के गीतों में मेलार्थी रातभर थिरकते रहे। अल्मोड़ा अंग्रेज आयो टैक्सी में, तीर की कमान म्यार झुमका रग्या बक्स में गीत में दर्शक के साथ नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल भी मंच में जमकर थिरके। दोनों कलाकारों ने कुमाऊंनी गीतों के साथ हिंदी गीत भी गाए। नुमाईशखेत मैदान में बने रंगमंच पर शनिवार की रात खुशी जोशी व गोविंद दिगारी के गीतों का बोलबाला रहा। खुशी ने ओ माया भवानी माया त्यार खुटी सलामा, अल्मोड़ा अंग्रेज आयो टैक्सी में आदि गीत गाए। गोविंद ने हाल क्या है दिलों का न पूछो सनम, तेरो रंगीलो भिना, उत्तरैणी कौतिक लागिरौ सरयू का बगड़ मा आदि गीत गाकर दर्शकों का मनोरंजन किया। अमित शर्मा ने य डान का पारा देखिछ न्यार न्यारा गीत गाया तो दर्शक भी अपनी जगह थिरकने लगे। राकेश जोशी ने मुल-मुल हसण समधी ज्यू आदि गीत सुनाए।वही पालिकाध्यक्ष सुरेश खेतवाल के साथ मंच पर कलाकारों के साथ पत्नी के संग चाचरी गायन किया।इस दौरान मुख्य अतिथि कपकोट विधायक सुरेश गढ़िया, मेलाध्यक्ष सुरेश खेतवाल,अपर जिलाधिकारी चंद्र सिंह इमलाल, भाजपा जिलाध्यक्ष इंद्र सिंह फर्स्वाण, ब्लॉक प्रमुख गोविंद दानू, पिथौरागढ़ नगर पालिका ईओ राजदेव जायसी आदि मौजूद आदि मौजूद रहे।

महिला एवं सामाजिक जागरूकता कल्याण समिति ने जरूरतमंदों को वितरित किया सामान

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। हर वर्ष की तरह इस साल भी महिला एवं सामाजिक जागरूकता कल्याण समिति की टीम ने जरुरतमंद लोगों को नये, पुराने कपड़े, राशन, जूते-चप्पल, साबुन,सर्फ, कोलगेट, नमकीन,बिस्कुट, नमक, बुक्स,नोट बुक्स व अन्य सामग्री पंतनगर झा कलौनी में रहने वाले जरूरतमंद लोगों को वितरित किया। साथ में महिलाओं को साफ-सफाई के प्रति जागरूक करते हुए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत कन्या भूरुण हत्या रोकने व बालिका शिक्षा पर बात की। जिसमें समिति की अध्यक्ष डॉ.उषा नरेन्द्र जैन ने बालिकाओं व महिलाओं से विशेष पर कहा कि पढ़ाई का एक नारी जीवन में बहुत बड़ा महत्व है एक नारी का शिक्षित होने का मतलब एक पीढ़ी का शिक्षित होना है। उन्होंने कहा जीवन के हर अवस्था में भले ओ पारिवारिक जीवन हो,आर्थिक स्थिति को ठीक करने की हो,बच्चों को शिक्षित करने की हो,घर को व्यवस्थित करने की हो,परिवार के स्वास्थ्य की बात हो,हर क्षेत्र में नारी का शिक्षित होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज सरकार ने भी शिक्षा की व्यवस्था ऐसी कर दी है कि गरीब से गरीब व्यक्ति भी अपने बच्चों को शिक्षित कर सकता है।श्रीमती राधा सुभाष श्रीमती ममता नेगी जी के साथ श्रीमती कविता रावत,हेमा वर्मा,रूपा रानी,सीता देवी, माधवी अधिकारी, दुर्गा,सुशीला देवी, नीरमती,कविता, पुष्पा,के साथ सैकड़ों जरूरतमंद महिलायें उपस्थित रही।

अग्रवाल समाज ने आयोजित किया सम्मान समारोह

सितारगंज(उद संवाददाता)। श्रीकृष्ण प्रणामी महाराजा अग्रसेन गौशाला परिसर में अग्रवाल समाज सितारगंज के तत्वाधान में भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष कमल जिन्दल व शीतल सिंघल को उत्तराखंड गौ सेवा आयोग में सदस्य नामित होने पर मालार्पण व शाल द्वारा सम्मानित किया गया। महाराजा अग्रसेन धर्मार्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल व वयोवृद्ध समाजसेवी रोशन लाल अग्रवाल ने इस मौके पर कहा कि उत्तराखंड सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व केबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा एवं शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद करते हैं। इस अवसर पर उमाशंकर दुबे, सुरेश सिंघल, दयाराम जिन्दल, मण्डल अध्यक्ष आदेश चौहान, कृष्ण कुमार गर्ग, महेश मित्तल, भीमसेन गर्ग, नरेश कंसल,अनिल गर्ग, सुनील गर्ग, उमेश अग्रवाल, सुरेश जैन,विजय सलूजा, इन्द्रजीत सिंह माटा,विजय गर्ग, अंकुर गर्ग,विनय गर्ग,प्रदीप गर्ग, विकास गर्ग,रमेश गोयल,गोविन्द अग्रवाल,रविन्द्र अग्रवाल,विपिन डालमिया, महेश सिंघल, महेन्द्र सिंघल, राधेकृष्ण अग्रवाल,मंयक अग्रवाल,जगन अग्रवाल,सतीश उपाध्याय,मोहित अग्रवाल,सन्तोष गुप्ता आदि रहे।

बाबा दीप सिंह के जन्मदिन पर निकली प्रभात फेरी

गदरपुर(उद संवाददाता)। शहीद बाबा दीप सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष में आयोजित की गई विशाल प्रभात फेरी का ग्राम महतोष स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु नानक दरबार में भव्य स्वागत करते हुए गुरु के लंगर का आयोजन तथा अरदास की गई विदेशी हमलावरों से दरबार साहिब श्री अमृतसर की रक्षार्थ अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीद बाबा दीप सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष में रुद्रपुर के इंदिरा कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा माता गुजर कौर से संगत द्वारा शब्द कीर्तन करते हुए प्रभातफेरी का आयोजन किया गया जोकि गुरुद्वारा रामगढ़िया रुद्रपुर, गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर ग्रीन पार्क रूद्रपुर , बिंदु मोड, जाफर पुर ,धौलपुर ,महेशपुर , महतोश, रतनपुरी , अलख देवा, रतनपुरा ,गुरुद्वारा बाबा दीप सिंह पसियापुर होते हुए गुरुद्वारा श्री गुरु हरगोविंद सर नवाबगंज पहुंची जहां बाबा अनूप सिंह द्वारा प्रभात फेरी में शामिल संगत का स्वागत किया स उन्होंने सभी संगत को संबोधित करते हुए गुरु वाले बनकर अमृत पान करने का आह्वान किया। इस दौरान जगह-जगह प्रभात फेरी में शामिल संगत का जोरदार स्वागत करते हुए विभिन्न तरह के गुरु के लंगर और प्रसाद वितरित किए गए ज्ञात हो पहली बार प्रभात फेरी का पैदल यात्रा के रूप में आयोजन पर संगत द्वारा जोर-शोर से शब्द कीर्तन करते हुए सहभागिता करते हुए स्वागत किया स गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार महतोष पहुंचने पर प्रबंधक कमेटी के सरदार बलकार सिंह ,कृपाल सिंह एवं नौनिहाल सिंह द्वारा सेवादारों को सरोपा भेंट करते हुए निशान साहेब पर फूल मालाएं अर्पित की गई। इस दौरान कमेटी द्वारा आयोजित लंगर में दूरदराज से आए सैकड़ों की संख्या में संगत ने लंगर प्रसाद ग्रहण किया स इस अवसर पर संगत द्वारा :जो तो प्रेम खेलन का चाउ , सिर धर तली गली मेरी आओ, सूरा सो पहचानिए जो लड़े दीन के हेतु, पुर्जा पुर्जा कट मरे कबहूं ना छाड़े खेत, गायन करते हुए बाबा दीप सिंह की शहादत को नमन किया स वही गतका पार्टी द्वारा भी अपनी कला के जौहर दिखाए गए ।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

महिला खिलाड़ियों का शोषण

धरने पर बैठे पहलवानों ने खेलमंत्री से बातचीत करने के बाद धरना उठा लिया। खेल मंत्रालय ने एक समिति गठित करने का वचन दिया है, जो पहलवानों के तमाम आरोपों की जांच करेगी और उसकी रिपोर्ट के मुताबिक उचित कार्रवाई की जाएगी। तब तक कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संघ के कामकाज से अलग रहेंगे और जांच में पूरा सहयोग करेंगे। अगर कोई आरोप गलत साबित होता है, तो यह भी पता लगाया जाएगा कि उसके पीछे क्या वजहें थीं। दरअसल अब यह मामला राजनीतिक रंग भी लेने लगा था। हालांकि खिलाड़ियों ने किसी राजनेता को अपने मंच का इस्तेमाल नहीं करने दिया मगर धरना स्थल से बाहर विपक्षी दल खुल कर सत्तापक्ष पर हमलावर थे।करीब तीस अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पहलवान कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पर यह आरोप लगाते हुए धरने पर बैठ गए थे कि खिलाड़ियों के साथ उनका व्यवहार अशोभन है और उन्होंने कई महिला खिलाड़ियों का यौन शोषण किया है। कई प्रशिक्षक भी ऐसी गतिविधियों में शामिल हैं। पहलवानों की मांग थी कि अध्यक्ष को उनके पद से हटाया और कुश्ती महासंघ का पुनर्गठन किया जाए। पहलवानों के समर्थन में देश भर से दूसरे खेलों से जुड़े खिलाड़ी भी जुटने शुरू हो गए थे। खेल संघों के पदाधिकारियों और प्रशिक्षकों के आचरण को लेकर लगातार शिकायतें मिलती रही हैं। उनमें अनियमितताओं के भी गंभीर आरोप लगते रहे हैं। खासकर महिला खिलाड़ियों के यौन शोषण को लेकर सख्त कार्रवाई की मांगें उठती रही हैं। कई मामलों में यह भी देखा जा चुका है कि प्रशिक्षक या किसी पदाधिकारी की यौन प्रताड़ना की शिकार खिलाड़ी ने खुदकुशी कर ली। इसलिए खेल संघों को साफ-सुथरा और सुरक्षित बनाने की मांग उठती रही है। ऐसे में जब कुश्ती महासंघ के खिलाफ इतने बड़े पैमाने पर खिलाड़ी उठ खड़े हुए और सभी ने एक स्वर में कहा कि उनके साथ उचित व्यवहार नहीं किया जा रहा, तो स्वाभाविक ही उससे गंभीर संदेश गया। हालांकि कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष खिलाड़ियों के इस विरोध के पीछे राजनीतिक शह बताने में जुटे हुए हैं, पर यह सवाल सबके मन में बना हुआ है कि आखिर इतने सारे खिलाड़ी अपना भविष्य दांव पर लगा कर क्यों किसी राजनीतिक दल के दबाव में विरोध पर उतरेंगे। यह साल उनके लिए काफी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि ओलंपिक के लिए चयन की प्रक्रिया शुरू होनी है। इस तरह खेल मंत्रालय के हस्तक्षेप से न केवल इस मामले को राजनीतिक रंग देने पर विराम लगा, बल्कि खिलाड़ियों का समय भी नष्ट होने से रह गया। अब दिल्ली में पहलवानों के धरने और उत्पीड़न के आरोपों के बाद फिलहाल खेल मंत्रालय ने कुश्ती संघ के सहायक सचिव विनोद तोमर को निलंबित कर दिया है। दरअसल, ऐसे आरोपों में अक्सर देखा जाता है कि जांच समितियों की सिफारिशें खिलाड़ियों के खिलाफ ही आती हैं। मगर इसमें चूंकि यौन शोषण का गंभीर आरोप शामिल है, इसलिए अगर उसकी जांच में किसी तरह का पक्षपात किया गया, तो खिलाड़ियों का मनोबल टूटेगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गलत संदेश जाएगा। पिछले कुछ सालों में पहलवानों ने अपने जज्बे से दुनिया में भारत का नाम ऊंचा किया है। ओलंपिक, राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में सबसे अधिक पदक कुश्ती में ही आए हैं। ऐसे में अगर इसके खिलाड़ियों को उचित मानसिक वातावरण में खेलने की व्यवस्था नहीं हो पा रही है, तो यह सरकार के लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। जिस तरह खिलाड़ियों ने सरकार पर भरोसा जताया है, उसी प्रकार उनके भरोसे को बनाए रखने का प्रयास होना चाहिए।

आजादी के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस

नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्वतंत्रता महाभियान के क्रांतिकारियों में से एक आजादी महानायक थे। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय सेना का निर्माण किया था। जो विशेषता आजाद हिंद फौज के नाम से प्रसिद्ध थी। सुभाष चंद्र बोस स्वामी विवेकानंद को बहुत मानते थे। उनका जन्म 23 जनवरी 1897 को ओड़िशा के कटक शहर में हुआ था। उनके पिता जानकी नाथ ने अंग्रेजों के दमनचक्र के विरोध में 'रायबहादुर' की उपाधि लौटा दी। इससे सुभाष के मन में अंग्रेजों के प्रति कटुता ने घर कर लिया। अब सुभाष अंग्रेजों को भारत से खदेड़ने व भारत को स्वतंत्र कराने का आत्मसंकल्प ले, चल पड़े राष्ट्रकर्म की राह पर। आईसीएस की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद सुभाष ने आईसीएस से इस्तीफा दिया। इस बात पर उनके पिता ने उनका मनोबल बढ़ाते हुए कहा- 'जब तुमने देशसेवा का व्रत ले ही लिया है, तो कभी इस पथ से विचलित मत होना।' सुभाष ने आजादी के आंदोलन को एक नई राह देते हुए युवाओं को संगठित करने का प्रयास पूरी निष्ठा से शुरू कर दिया। इसकी शुरुआत 4 जुलाई 1943 को सिंगापुर में 'भारतीय स्वाधीनता सम्मेलन' के साथ हुई। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि जब नेताजी ने जापान और जर्मनी से मदद लेने

की कोशिश की थी तो ब्रिटिश सरकार ने अपने गुप्तचरों को 1941 में उन्हें खत्म करने का आदेश दिया था। नेताजी ने 5 जुलाई 1943 को सिंगापुर के टाउन हाल के सामने 'सुप्रीम कमाण्डर' के रूप में सेना को सम्बोधित करते हुए "दिल्ली चलो!" का नारा दिया और जापानी सेना के साथ मिलकर ब्रिटिश व कामनवेल्थ सेना से बर्मा सहित इम्फाल और कोहिमा में एक साथ जमकर मोर्चा लिया। 5 जुलाई 1943 को 'आजाद हिन्द फौज' का विधिवत गठन हुआ। 21 अक्टूबर 1943 को एशिया के विभिन्न देशों में रहने वाले भारतीयों का सम्मेलन कर उसमें अस्थायी स्वतंत्र भारत सरकार की स्थापना कर नेताजी ने आजादी प्राप्त करने के संकल्प को साकार किया। सुभाष चंद्र बोस भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेता थे जिनकी निडर देशभक्ति ने उन्हें देश का हिंदू बनाया द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने उन्होंने जापान के सहयोग से आजाद हिंद फौज का गठन किया था। "तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा" सुभाष चंद्र बोस का यह प्रसिद्ध नारा था। रंगून के जुगनी हाल में सुभाष चंद्र बोस द्वारा दिया गया भाषण इतिहास के पन्नों में अंकित हो गया। जिसमें उन्होंने कहा था कि "स्वतंत्रता बलिदान चाहती है अपनी आजादी के लिए बहुत त्याग किया है। किंतु अभी प्राणों की आहुति देना शेष है" ये आजाद की वचन थे। उन्होंने आजादी को आज अपने शीश फूल चढ़ा देने वाले ऐसे नौजवानों की आवश्यकता है। जो अपना सर काट के स्वाधीनता देवी को भेंट चढ़ा सके। उन्होंने दिल्ली चलो का नारा भी दिया। सुभाष चंद्र बोस भारतीयता की पहचान ही बन गए और भारतीय युवक आज भी उनसे प्रेरणा ग्रहण करती है। सुभाष चंद्र बोस भारत के अमूल्य ही थे जो जय हिंद का नारा और अभिवादन देकर चले गए। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में सुभाष को कुल 11 बार कारावास हुआ। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की मृत्यु एक रहस्य बनी हुई है। 18 अगस्त 1945 को ताइपे में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु विमान दुर्घटना से हो गई थी। लेकिन क्या उनकी सच में मृत्यु हुई थी, ये गुत्थी सुलझ नहीं सकी। यदि यह रहस्य उजागर हो जाता तो असलियत देश के सामने आ जाती। काश! आजादी के बाद नेताजी जीवंत रहते तो देश का नव सुभाष होता।

-हेमेन्द्र क्षीरसागर, पत्रकार, लेखक व स्तंभकार

बिना मानचित्र स्वीकृत कराए निर्माण किया तो होगा केस दर्ज

देहरादून। एमडीडीए से बिना मानचित्र स्वीकृत कराए प्रॉपर्टी डीलर और रियल एस्टेट कारोबारी भवनों का निर्माण कर रहे हैं। एमडीडीए ऐसे निर्माण को ध्वस्त भी कर देता है लेकिन यह कारोबारी फिर से निर्माण शुरू कर देते हैं। ऐसे में अब एमडीडीए उपाध्यक्ष ने ऐसे कारोबारियों पर मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) के प्रावधानों के अनुसार बिना मानचित्र स्वीकृत व लेआउट पास कराए प्रॉपर्टी डीलरों और रियल स्टेट कारोबारियों को निर्माण की अनुमति नहीं है। हालांकि, इन नियमों को ठेंगा दिखाते हुए कई कारोबारी निर्माण कार्य कर रहे हैं। कुछ को एमडीडीए पूर्व में ध्वस्त भी कर चुका है लेकिन यह कारोबारी अधिकारियों से मिलीभगत कर फिर से निर्माण शुरू कर देते हैं। बता दें कि प्राधिकरण सचिव मोहन सिंह बर्निया के आदेश पर हाल ही में तीन हजार बीघा से अधिक जमीनों पर अनाधिकृत तरीके से की जा रही प्लाटिंग व निर्माण कार्यों को एमडीडीए ने ध्वस्त किया था। साथ ही कई प्रॉपर्टी डीलरों पर मुकदमे भी दर्ज कराए गए थे। इतना सब होने के बावजूद प्रॉपर्टी डीलरों ने धड़ल्ले से प्लाटिंग का काम जारी रखा है। दूसरी ओर प्राधिकरण उपाध्यक्ष/ जिलाधिकारी सोनिका का कहना है कि सभी जोनल अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।कहा है कि वह अपने अपने क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाकर चिन्हित करें कि कोई भी प्रॉपर्टी डीलर बिना लेआउट स्वीकृत कराए प्लाटिंग न करने पाए। यदि ऐसा किया जाता है तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाए।

पटवारी परीक्षा के पेपर लीक के आरोपी सभी आरोपियों की संपत्तियों की जांच शुरू

देहरादून। पटवारी-लेखपाल परीक्षा के पेपर लीक के आरोपी अनुभाग अधिकारी और उसके साथियों की संपत्तियों की जांच भी शुरू हो गई है। सात आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज है। पुलिस एक्ट के तहत इनकी संपत्तियों को जब्त किया जाएगा। इसके लिए तीन टीमों को अलग-अलग स्थानों पर प्रशासन के साथ आकलन में लगाया गया है। बता दें कि 12 जनवरी को पेपर लीक मामले में एसटीएफ ने उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के अनुभाग अधिकारी संजीव चतुर्वेदी और उसकी पत्नी समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया था। मामले की जांच हरिद्वार में बनाई गई एसआईटी को दे दी गई थी। एसआईटी ने सभी आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की थी। इससे पहले यूकेएसएसएससी के पेपर लीक मामले में भी आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। इसमें तीन आरोपियों की संपत्तियों को जब्त किया जा रहा है। इनमें हाकम सिंह, चंदन मनराल और उसका एक अन्य साथी शामिल है। इसी क्रम में अब पटवारी पेपर लीक के आरोपियों की बारी है। सूत्रों के अनुसार, हरिद्वार पुलिस की तीन टीमों को आरोपियों की संपत्तियों की जांच में लगाया गया है। बताया जा रहा है कि पेपर लीक कराने के बाद काफी चल-अचल संपत्तियों का सौदा आरोपियों ने किया था।

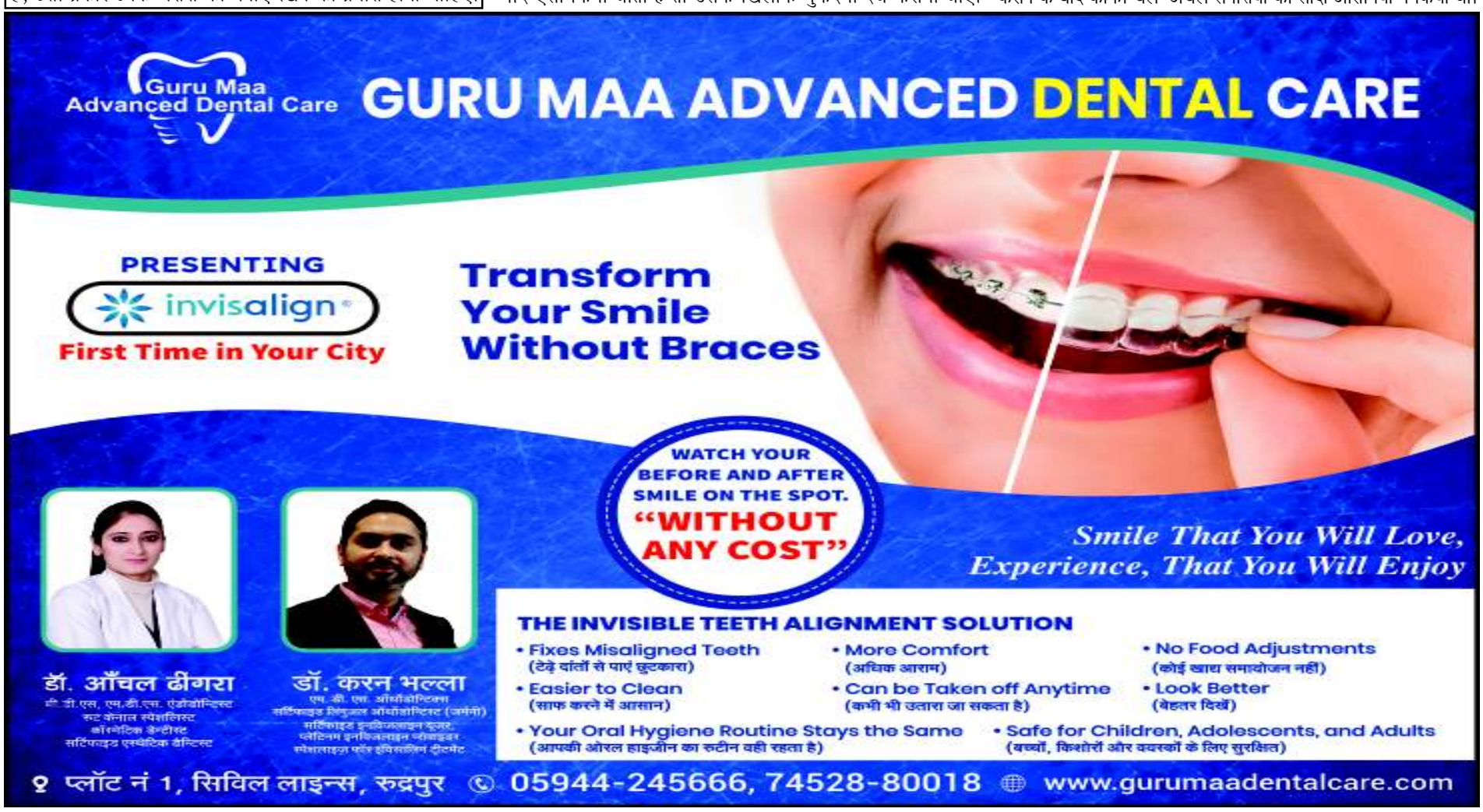

दो शराब तस्करों को किया गिरफ्तार

काशीपुर(उद संवाददाता)। कुंडा थाना पुलिस ने गश्त के दौरान मोटरसाइकिल पर फर्राटा भर रहे कच्ची शराब के दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 38 लीटर जहरीली शराब बरामद किया है। पुलिस ने प्रयुक्त मोटरसाइकिल को कब्जे में लेते हुए पकड़े गए शराब तस्करों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। कार्यवाही के बारे में जानकारी मिली है कि कुंडा पुलिस क्षेत्र में गश्त पर थी इसी दौरान उसने नवीन कृषि अनाज मंडी के पीछे स्थित स्कूल के पास से मोटरसाइकिल संख्या यूके 18 के/0980 पर फर्राटा भर रहे दो

युवकों को शक के आधार पर धर दबोचा। तलाशी में दोनों के कब्जे से 38 लीटर जहरीली शराब बरामद हुई। पुलिस की गाड़ी पूछताछ में दोनों ने अपना नाम ग्राम छोटी बरखेड़ी थाना आईटीआई निवासी विक्रम सिंह पुत्र भजन सिंह तथा दूसरे ने शिवराज की पट्टी कुंडा निवासी मुकेश कुमार पुत्र स्वर्गीय विक्रम सिंह बताया। जरूरी जानकारी जुटाने के बाद पुलिस ने पकड़े गए शराब तस्करों के खिलाफ धारा 60 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

जयंती पर सुभाष चन्द्र बोस को किया नमन

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने संजय नगर खेड़ा में नेताजी सुभाष चंद्र बोस

की जयंती पर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया और उनके आदर्शों पर चलने का आहवान किया। इस अवसर पर युवा समाजसेवी संजय ठुकराल ने भी युवाओं के साथ पहुंचकर नेताजी बोस की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर अखिल विश्वास, राविन विश्वास, अजीत बाला ,पूर्व सभासद विकास मलिक, नंदू शर्मा, अर्जुन विश्वास, शिव कुमार राय ,कुंवर मुखर्जी, देव आनंद ,मानस बैरागी, अरुण, प्रदीप राय, नितिन विश्वास ,अमित डॉक्टर, बंटी कोली, विशाल मेहरा, सुनील विश्वास, रंजीत तिवारी, सुल्तान सिंह,रमेन विश्वास, शिव कुमार राय, असीत बाला,रंजीत तिवारी, शिवपद सरकार आदि शामिल थे।

दिल्ली में सम्मानित हुए डॉ.मणिन्द्र मोहन शर्मा

पर्यावरण एवं युवा समाज के लिए विशिष्ट और प्रेरक कार्यों के लिए मिला राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता सम्मान

पंतनगर(उद संवाददाता)। उत्तराखंड जैवप्रौद्योगिक परिषद (बॉयोटेक विभाग) पंतनगर में बतौर वैज्ञानिक कार्यरत डॉ. मणिन्द्र मोहन शर्मा को पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय और प्रेरक कार्य करने पर नई दिल्ली में राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता सम्मान से नवाजा गया है। यह पुरस्कार विश्व पर्यावरण परिषद के दूसरे राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि रहे पदम श्री डॉ. विजय कुमार शाह व दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पी.बी. शर्मा और विश्व पर्यावरण परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर गणेश चन्ना नें दिया। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में डॉ. शर्मा को यह पुरस्कार युवाओं को प्रशिक्षण, कार्यशाला, सेमिनार, भ्रमण और विज्ञान परक आलेखों के माध्यम से पर्यावरण शिक्षा व शोध के लिए जागरूक करने तथा जल साक्षरता व सुरक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे विशिष्ट और प्रेरक कार्यों के लिए दिया गया। सम्मान में मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। विश्व पर्यावरण परिषद् के अध्यक्ष प्रोफेसर गणेश चन्ना नें बताया कि विश्व पर्यावरण परिषद विगत कई वर्षों से विश्व स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर रही है और संयुक्त राष्ट्र परिषद (यूनेस्को) के

साथ कई पर्यावरणीय कार्यक्रमों में सहयोगी संस्था के रूप में कार्यरत है। यहाँ देश भर के बीस सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं पर्यावरणविदों को पर्यावरण भूषण, पर्यावरण श्री सहित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। पुरस्कार मिलने पर बॉयोटेक परिषद के निदेशक प्रोफेसर संजय कुमार नें खुशी व्यक्त की और डॉ. शर्मा को एक सक्रिय विज्ञान संचारक बताते हुए उनके अनुकरणीय व उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की और इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। इस उपलब्धि के लिए डॉ. शर्मा नें माता-पिता के आशीर्वाद और गुरुजनों तथा बड़ों के मार्गदर्शन को प्रेरणा का स्रोत बताया। डॉ. मणिन्द्र मोहन शर्मा पर्यावरणीय प्रयोगशाला के प्रभारी हैं और विगत कई सालों से तराई के पेयजल स्रोतों की गुणवत्ता जाँच एवं निगरानी, प्रदूषण के कारकों की पहचान के साथ जल संरक्षण व सुरक्षा के लिए युवा और समाज को जागरूक कर रहे हैं। पूर्व में डॉ. शर्मा को इनके कार्यों के लिए कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मान मिल चुके हैं, जिसमें एशियन एक्सीलेंस अवार्ड, ग्लोबल ग्रीन अवार्ड, नेशनल ईस्पिरेशन अवार्ड, युवा प्रेरक सम्मान व वाटर वारियर्स अवार्ड मुख्य है। बता दें कि हाल ही में डॉ. शर्मा ने कम समय में अधिकतम हैंडपम्पों की जल गुणवत्ता जाँच करके अपना नाम इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकार्ड्स में दर्ज कराया है। डॉ. मोहन दो बार युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से भी नवाजे गए हैं।

पराक्रम दिवस के रूप में मनाई नेताजी बोस की जयंती

गूलरभोज(उद संवाददाता)। आजाद हिंद फौज के संस्थापक सुभाष चंद्र बोस की जयंती पराक्रम दिवस के रूप में हरेंद्र तोमर के प्रतिष्ठान पर बड़ी धूमधाम के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सुभाष चंद्र बोस जी के चित्र पर माल्यार्पण करके मिष्ठान वितरण किया गया एवं लोगों को उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया गया।

इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष डॉ कुलदीप रघुवंशी, ओमप्रकाश डोगरा, इंदर सिंह राठौर, संजीव कुमार गुप्ता, अमित कुमार गुप्ता, हरेंद्र तोमर, विक्रम मेहरा, विजय सिंह यादव, यशवंत सिंह, जयशंकर, सोनू चौधरी, अमरजीत कौर, अंकित भल्ला, राजू पासवान, उस्मान, चंद्रपाल आदि लोग उपस्थित थे।

मीना शर्मा ने बांटा खिचड़ी का प्रसाद

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। शनि अमावस्या के अवसर पर आवास विकास स्थित बृहस्पति देव मंदिर में खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूर्व पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीना शर्मा ने सैकड़ों लोगों को अपने हाथों से खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया। इससे पूर्व बृहस्पति देव मंदिर में शनि अमावस्या के अवसर पर

पूजा अर्चना की गई जिसमें पंडित सुरेश चंद शर्मा ने विधि विधान से पूजा की। इस अवसर पर प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता लाखन सिंह, अनिल शर्मा, किशोर कुमार, अरविंद सक्सेना, मनीष नारायण, पुष्प लता, ममता, पूनम, कीर्ति, अनुराधा, कृष्ण कांत शर्मा, कालीचरण सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे।

पेज एक का शेष...

पीएम ने परमवीर चक्र विजेताओं... सिंह, सीक्यूएमएच अब्दुल हमीद, लेफ्टिनेंट कर्नल अर्देशिर बुर्जोरजी तारापोर, लांस नायक अल्बर्ट एक्का, मेजर होशियार सिंह, सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल, फ्लाइंग अधिकारी निर्मलजीत सिंह सेखों, मेजर रामास्वामी परमेश्वरन, नायब सूबेदार बाना सिंह, कप्तान विक्रम बत्रा, लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, सूबेदार मेजर (तत्कालीन राइफलमैन) संजय कुमार और सूबेदार मेजर सेवानिवृत्त (माननीय कप्तान) ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव आदि शामिल हैं।

सरकारी नौकरी के ...पुत्र सुरेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से कई फर्जी नियुक्ति प्रमाण पत्र कई लोगों के शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छाया प्रति के अलावा उत्तराखण्ड सरकार का बोर्ड और हूटर लगी एक इनोवा कार बरामद की गयी है। एसएसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर सात लोगों से 35 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में केस दर्ज किया गया था। पुलिस उसकी कुंडली खंगाल रही है।

कमरे में युवक युवती के ...असिस्टेंट था। जबकि लड़की भी पहले मेडिकल क्षेत्र में ही काम करती थी। लड़की राहुल के पास आई या राहुल उसे लेकर आया था इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है। राहुल के परिजन भी लड़की के बारे में बहुत ज्यादा नहीं जानते हैं। फिलहाल मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा माना जा रहा है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पेपर लीक मामले मे...बिहारीगढ़ स्थित रिसॉर्ट में पेपर अभ्यर्थियों को रटाया गया था। जिसको लेकर एसआईटी ने दोनों जगहों सहित पेपर लीक से जुड़े सभी स्थानों पर आरोपियों को ले जाकर घटनाक्रम को दोहराया। रविवार को बिहारीगढ़ रिसॉर्ट में दोनों आरोपियों को ले जाया गया। यहां सीन को दोहराने के बाद संचालक के भी बयान दर्ज किए। कई इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य भी एकत्र किए गए हैं। जबकि कई दस्तावेज भी हाथ लगे हैं। पर मामले में अधिकारी कुछ बोलने को तैयार नहीं है।

सुभाष जयंती पर...विद्यालय के चार हाऊस महात्मा गांधी हाऊस, मदर टेरेसा हाऊस, इंदिरा गांधी हाऊस व लक्ष्मी बाई हाउस के विद्यार्थियों ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, भारत माता, मां सरस्वती, डा. भीमराव अम्बेडकर, भगत सिंह, लक्ष्मी बाई आदि की झांकियां प्रदर्शित की। शोभा यात्रा के पश्चात विद्यालय में देश भक्ति से ओत प्रोतअनेक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जिसमे अनेक संस्कृतियों के नृत्य से अभिभावक भी मंत्रमुग्ध हुए। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधक अनूप सरकार, विद्यालय समिति के नारायण चंद्र दास, नारायण विश्वास,राकेश दास, प्रदीप दास, अनूप सरकार, सनत गाईन, आनंद शर्मा, अधीर सरकार, कृष्ण कुमार दास, आशिक मल्लिक, अनिल कुमार, भारतेंदु अधिकारी,प्रधानाचार्या विपुल साहा, पार्षद बबलू सागर, महाविद्यालय छात्रसंघ उपाध्यक्षा केशू दास सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक व शिक्षिकाएं मौजूद थीं।

स्मैक समेत...अल्ली खां निवासी फैजान सिद्दीकी पुत्र मोहम्मद रफी को शक के आधार पर दबोच कर तलाशी में उसके कब्जे से 08 :15 ग्राम अवैध स्मैक बरामद किया। जरूरी पूछताछ के बाद पकड़े गए नशा कारोबारी का पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के तहत चालान करते हुए अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

जयंती पर युवाओं ने सुभाष चन्द्र बोस को किया नमन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।युवा नेता ललित बिष्ट के नेतृत्व में युवाओं ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर काशीपुर बाईपास रोड स्थित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान ललित बिष्ट ने कहा कि नेताजी सुभाष

चन्द्र बोस ने देश के लिए जो योगदान दिया उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। वह सच्चे देशभक्त थे, उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणादायी है। इस अवसर पर विजय बाजपेई, पार्षद रणजीत सागर, सुनील यादव, विक्की सोनकर, शिवकुमार शिबू, राधे, राजा, संजय खान, मदन बिष्ट, सोनू सागर, महेंद्र प्रजापति, शुभम अग्रवाल, हरेंद्र पाल, राजेंद्र पाल सहित कई लोग मौजूद थे।

बुजुर्गों को मिलेगा स्वतंत्रता रत्न सम्मान

काशीपुर(उद संवाददाता)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर काशीपुर के बुजुर्गों को स्वतंत्रता रत्न सम्मान से अलंकृत किया जायेगा। आजादी के अमृतमहौत्सव के 76 वे वर्ष के रगणतंत्र दिवस पर काशीपुर में स्वतंत्रता से पूर्व जन्मे नगरवासियो को काशीपुर डेवलपमेंट फोरम, वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति ने मिल कर अपने इन बुजुर्गों को सम्मान देने का निर्णय लिया है।यह कार्यक्रम गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को सुबह 11 बजे गोबिन्द बल्लभ पन्त इंटर कॉलेज के प्रांगण में होगा। इस कार्यक्रम में उपस्थित 15 अगस्त 1947 से पूर्व जन्मे बुजुर्गो को सम्मान से अलंकृत करने का फैसला लिया गया। यह कार्यक्रम जन सामान्य में देश प्रेम की भावना को जागृत करने में सहायक होगा ।

Shri Shyam Properties
Deals In: Sale, Purchase And Rent Of Any Type Of Property
CONTACT NO.: 7830482222, 7500049657

MANUFACTURE DATE, EXPIRY DATE, BATCH CODE, PRINTER
AVAILABLE HERE
NEELKANTH ENTERPRISE
Near G Mart, Kashipur By Pass Road, Rudrapur Ph.: 9837071614

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

SAMSUNG
BOSCH
SONY
JBL
VOLTAS
IFB
DELL
DAIKIN
ONEPLUS
MITSUBISHI ELECTRIC
Whirlpool
AMSTRAD
LLOYD
mi
SANSUI
गुरू माँ
अब मिलेगा
Online
से भी सस्ता
DIWALI DHAMAKA Sale
NO COST EMI
ATTRACTIVE EXCHANGE OFFERS
UPTO 55% OFF
UPTO 25% ADD CASHBACK
LED TV पर ऐसे ऑफर्स, खरीदे बिना रहा ना जाए
वाशिंग मशीन पर पैसा वसूल ऑफर्स
JBL स्पीकर्स - मनोरंजन अनलिमिटेड
आपके किचन की बढ़ाये शान
ऑफर्स ऐसे खरीदे बिना रहा ना जाए
सबसे कम दाम गारंटीड
डील्स ऐसी, जो कहीं ना मिले
BAJAJ FINSERV
HDB FINANCIAL SERVICES
आधार लाये, उधार ले जाएँ
EMI मात्र ₹990 प्रति माह से शुरू*
दाम में भी कम, बिजली खपत भी करे कम
WASHING MACHINE ONLY - ₹7,990/-*
LED TELEVISION ONLY - ₹8,990/-*
REFRIGERATOR ONLY - ₹9,990/-*
EASY EMI OPTION AVAILABLE
IndusInd Bank
YES BANK
citi
HDFC BANK
AMERICAN EXPRESS
*Terms&ConditionsApply | *UnderExchange
HALDWANI
Tikonia +919997207007
Pilikothi +919690256666
Pilikothi +918923468434
KASHIPUR
Kashipur +91 8303074949
Ramnagar Road +91 8791989500
Cheema Chauraha +91 9012451341
Cheema Chauraha +91 9690785231
RUDRAPUR
Civil Lines +91 8958533331
Kashipur by Pass +91 9690282777
Kashipur by Pass +91 7895741313
Kashipur by Pass +91 9917170230
MORADABAD
Moradabad +91 7017558272
KICHHA
Kichha +91 7017595920
(Deepak Electronics)
HARIDWAR
Haridwar +91 9761699704
GADARPUR
Gadarpur +91 9927850999
(Guru Nanak Enterprises)